राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

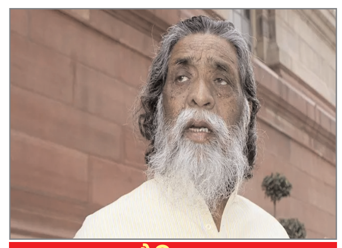

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, गुरुवार , 12 मार्च 2026
वर्ष 14, अंक 319, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

गोमती नगर जोन में बिजली विभाग का बड़ा छापा; 12 घरों में पकड़ी गई चोरी, भारी जुर्माना तय..03

थाना ब्यौहारी पुलिस द्वारा लूट की घटना का 72 घंटे के अंदर खुलासा, तीन..04

मेरे खिलाफ FIR दर्ज करने की तैयारी में पंजाब सरकार, सुखपाल खैहरा ने लगाए गंभीर आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंडीगढ़ – पंजाब की राजनीति में पिछले कुछ दिनों से चल रहे विवाद के बीच कांग्रेस MLA सुखपाल सिंह खैरा ने पंजाब सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। खैहरा ने सोशल मीडिया पर लाइव होकर कहा कि सरकार उनके खिलाफ साजिश कर रही है और राजनीतिक बदले की भावना से उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। उनका दावा है कि उन्हें विधानसभा में अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया गया और अब उनके खिलाफ प्रिविलेज मोशन पास करके मामला प्रिविलेज कमेटी को भेज दिया गया है। खैहरा ने कहा कि पिछले 2-3 दिनों से जिस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं, उससे साफ है कि सरकार उन्हें हर तरह से घेरने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि मनगढ़ंत और झूठे आरोप लगाकर उन पर दबाव बनाया जा रहा है। खैहरा ने दावा किया कि उन्होंने किसी भी तरह से महिलाओं का अपमान नहीं किया और उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया है।

विधानसभा में बोलने का मौका नहीं मिला

खैहरा के मुताबिक, वह अपने ऊपर लगे आरोपों का बचाव करने के लिए पिछले दिन सुबह 10 बजे विधानसभा पहुंचे थे, लेकिन उन्हें बोलने का मौका नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि विधानसभा की कार्यवाही के दौरान उनके खिलाफ निंदा प्रस्ताव पास किया गया लेकिन उन्हें अपना पक्ष रखने की इजाजत नहीं दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब प्लानिंग के साथ किया गया ताकि उनकी बात जनता तक न पहुंचे। खैहरा ने कहा कि जब उन्हें बोलने नहीं दिया गया तो यह साफ हो गया कि सरकार उनकी दलीलें सुनना नहीं चाहती।

मंत्रियों पर भी निशाना

खैहरा ने विधानसभा की कार्यवाही के दौरान वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की टिप्पणी पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि जिस तरह की गाली-गलौज की गई, वह ठीक नहीं है। खैरा ने दावा किया कि जिस फ्रेम में उन्हें घेरने की कोशिश की जा रही है, उसमें वह तो थे ही नहीं। उन्होंने कहा कि विधानसभा की लाइव कवरेज भी चुनिंदा तस्वीरों और सीन तक ही सीमित थी और सिर्फ वही दिखाया गया जो दिखाया जाना था। उनके मुताबिक, यह पूरी प्रक्रिया पूरी तरह से पक्षपातपूर्ण थी।

गैरहाजिरी में प्रिविलेज प्रस्ताव पास

खैहरा ने कहा कि आज विधानसभा में उनकी गैरहाजिरी में उनके खिलाफ प्रिविलेज प्रस्ताव पास किया गया। इस प्रस्ताव के तहत मामला प्रिविलेज कमेटी को भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में सरकार के पास बड़ी संख्या है और 117 सदस्यों वाले सदन में उनके करीब 95 सदस्य हैं। इसलिए वे बहुमत के आधार पर कोई भी फैसला ले सकते हैं। खैहरा ने दावा किया कि सरकार का इरादा प्रिविलेज कमेटी के जरिए उनकी MLA मेंबरशिप कैंसिल करवाना है। उन्होंने कहा कि पंजाब की राजनीति में पहले भी ऐसे मामले सामने आए हैं, जब राजनीतिक विरोधियों को ऐसी कार्रवाई का सामना करना पड़ा है।

झूठी FIR भी संभव

खैहरा ने अपने लाइव संबोधन के दौरान यह भी दावा किया कि पंजाब सरकार उनके खिलाफ झूठी FIR दर्ज करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि उन्हें अनऑफिशियल सोर्स से जानकारी मिली है कि महिलाओं की बदनामी के मामले में उनके खिलाफ केस दर्ज हो सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार चाहे तो केस दर्ज कर सकती है, उन्हें इससे डर नहीं लगता। खैहरा ने कहा कि उन पर पहले भी कई केस चल चुके हैं और वे पांच महीने जेल में भी रहे हैं।

असली मुद्दों से ध्यान भटकाने का आरोप

खैहरा ने कहा कि सरकार यह सारा विवाद लोगों का ध्यान असली मुद्दों से भटकाने के लिए खड़ा कर रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब के किसानों का मुद्दा, ड्रग्स की समस्या और कानून-व्यवस्था जैसे गंभीर मुद्दों पर विधानसभा में चर्चा होनी चाहिए थी। उन्होंने दावा किया कि कुछ दिन पहले एक सरपंच को भी गिरफ्तार किया गया था, जिसके पास से ड्रग्स बरामद हुए थे और इस मामले पर भी गंभीर चर्चा की जरूरत थी। खैहरा ने कहा कि पंजाब में गैंगस्टर और ड्रग्स की समस्या एक बड़ा मुद्दा बन गई है, लेकिन इस पर गंभीरता से चर्चा करने के बजाय सरकार राजनीतिक विवादों में समय बर्बाद कर रही है।

मुख्यमंत्री पर भी निशाना

खैहरा ने इस मामले में मुख्यमंत्री भगवंत मान पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार उनके संबंध में जो बातें पेश कर रही है, उसके मुकाबले कुछ ऐसे बयान हैं जो खुद सरकार के नेताओं ने सार्वजनिक मंचों पर दिए हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रहे एक वीडियो को कोट करके अपनी बात रखी थी, लेकिन उसे गलत तरीके से पेश किया गया। खैहरा ने दावा किया कि यह पूरा विवाद राजनीतिक रूप से बनाया गया है।

लड़ाई जारी रखने का ऐलान

खैहरा ने अपने भाषण के आखिर में कहा कि वह किसी भी कार्रवाई से नहीं डरते और सच्चाई के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि अगर सरकार उनकी MLA मेंबरशिप कैंसिल भी कर दे या उनके खिलाफ केस भी दर्ज कर ले, तो भी वे पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें अकाल पुरख पर भरोसा है और आने वाला समय सच सामने लाएगा। पंजाब और विदेश में बैठे पंजाबियों को संबोधित करते हुए खैहरा ने कहा कि उन्हें पूरी स्थिति के बारे में बताना जरूरी है ताकि लोग असलियत समझ सकें। इस मामले को लेकर पंजाब की राजनीति में तनाव बढ़ गया है और आने वाले दिनों में प्रिविलेज कमेटी की कार्रवाई और सरकार के अगले कदमों पर सबकी नजर रहेगी।

संक्षिप्त ख़बरें

क्या हम अमेरिका के कहने पर तेल खरीदेंगे? लोकसभा में राहुल गांधी ने सरकार को घेरा

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि ईरान और इजराइल-अमेरिका युद्ध के परिणाम काफी गंभीर होने वाले हैं. भारत में इसका व्यापक असर देखने को मिल रहा है. गैस की किल्लत से लोग परेशान हैं. होटल-रेस्टोरेंट बंद होने की कगार पर हैं. किसी भी देश की नींव उसकी ऊर्जा सुरक्षा होती है. क्या अमेरिका तय करेगा कि हम तेल और गैस किससे खरीदेंगे. क्या वो तय करेगा कि रूस से तेल नहीं खरीदेंगे. हमारे संबंध किस देश से कैसे होंगे क्या ये वो तय करेगा. क्या हम अमेरिका के कहने पर तेल खरीदेंगे? राहुल गांधी ने कहा, स्टेट ऑफ हॉर्मूज बंद है. दुनिया का 20 फीसदी तेल वहां से आता है. गैस की किल्लत है... ये सिर्फ शुरुआत है. अमेरिका को फैसला लेने की इजाजत किसने दी? हम रूस से तेल क्यूं नहीं ले सकते? उन्होंने कहा, ये कॉम्प्रोमाइज है. यहां पेट्रोलियम मंत्री बैठे हैं. खुद बोला है कि वो एपस्टीन के मित्र हैं. जैसे ही राहुल ने एफस्टीन का जिक्र किया, सदन में हंगामा शुरू हो गया. जिस विषय पर नोटिस दिया, उस पर बोलें इस बीच स्पीकर ने कहा, जिस विषय पर नोटिस दिया है, उस पर बोलिए. आप विषय से इतर बोल रहे हैं. इसके बाद पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत 40 देशों से कच्चा तेल खरीद रहा है. होमुर्ज स्टेट से 20 फीसदी आवाजाही प्रभावित हुई है. भारत के क्रूज ऑयल की पोजिशन सुरक्षित है. देश में डीजल पेट्रोल की कोई दिक्कत नहीं है. भारत के पास पर्याप्त डीजल पेट्रोल है. नैचुरल गैस के लिए प्राथमिकता तय की गई है।

कालाबाजारी की वजह से देश में पैनिक

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा, कालाबाजारी की वजह से देश में पैनिक है. घरेलू गैस का उत्पादन 28 फीसदी बढ़ा है. वैकल्पिक मार्गो से लगातार कच्चा तेल आ रहा है. भारत लंबे समय तक हालात से निपटने के लिए तैयार है. मौजूदा हालात को देखते हुए सरकार ने कमेटी भी बनाई है, जो कि सभी पार्टियों से बात कर रही है. हरदीप सिंह पुरी ने कहा बताया, घरेलू आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित है. बुकिंग से डिलीवरी का मानक समय अभी भी 2.5 दिन ही बना हुआ है. अनधिकृत डायवर्जन को रोकने के लिए ओटीपी आधारित डिलीवरी ऑथेंटिकेशन को 50 फीसदी से बढ़ाकर 90 फीसदी किया जा रहा है.।

रिटेल इन्वेस्टर ही असली 'हीरो', SIP ने निवेश में लाई क्रांति... Money9 समिट में बोले बरुण दास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मनी9 फाइनेंशियल फ्रीडम समिट 2026 के स्वागत भाषण में टीवी9 नेटवर्क के MD और CEO बरुण दास ने पिछले कुछ वर्षो में सोने की कीमत में आई तेजी पर बात की. उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल में सोने की कीमतें दोगुनी तक पहुंच गई हैं. भारतीय परिवारों ने अपने पुरखों की दौलत से उतना ही मुनाफा कमाया है, जितना पूरे स्टॉक मार्केट ने अपनी बढ़त से कमाया. बरुण दास ने आगे कहा कि मुझे अक्सर लगता है कि दादी-नानी की समझ सही थी. हमारी पुरानी पीढ़ी का सोने में निवेश करना बिल्कुल सही फैसला था।

दास ने कहा कि आज सोना मुश्किल वक्त का सबसे बड़ा सहारा साबित हो रहा है. भारत के घरों में करीब 27,000 टन सोना है. कीमतों में उछाल की वजह से भारतीय परिवारों की कुल संपत्ति में लगभग 100 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है. सोने के मालिकाना हक के मामले में भारतीय दुनिया में सबसे आगे हैं और यही हमारी असल आर्थिक मजबूती है।

रिटेल निवेशक ही असली 'हीरो' हैं

पिछले दो सालों में शेयर बाजार को विदेशी संस्थाओं ने नहीं, बल्कि भारत के आम निवेशकों ने संभाला है. 2024 और 2025 में जब विदेशी निवेशक अपना पैसा निकाल रहे थे, तब आम भारतीयों के निवेश ने ही बाजार को मजबूती दी और उसे गिरने नहीं दिया. आज के बाजार के असली बैकबोन यही रिटेल इन्वेस्टर्स हैं. दास ने कहा कि TV9 नेटवर्क ने 'Money9' की शुरुआत एक खास मकसद से की थी.

उन्होंने कहा कि इसका लक्ष्य है कि देश के हर व्यक्ति को उसकी अपनी भाषा में पैसों के प्रबंधन (फाइनेंशियल लिटरेसी) की जानकारी मिले, ताकि वह आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सके. उन्होंने कहा कि हम सभी पैसों के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं, लेकिन वित्तीय आजादी तब मिलती है जब पैसा हमारे लिए काम करने लगे यानी, सही निवेश के जरिए आपका पैसा खुद-ब-खुद बढ़ता रहे।

SIP का रिकॉर्ड तोड़ सफर

भारत में निवेश का तरीका बदल रहा है. दिसंबर 2025 और जनवरी 2026 के बीच, हर महीने SIP के जरिए बाजार में आने वाला पैसा 31,000 करोड़ रुपये के बड़े आंकड़े तक पहुंच गया. देश में अब 26 करोड़ से ज्यादा SIP खाते हैं, जो दिखाता है कि आम आदमी अब बचत नहीं, निवेश पर भरोसा कर रहा है. दुनिया भर के बाजारों में उतार-चढ़ाव के बावजूद, भारतीय निवेशकों ने हिम्मत नहीं हारी है. हालांकि, डेटा में कुल निवेश में थोड़ी बहुत कमी दिखी है, लेकिन इक्विटी (शेयर बाजार) SIP में लोगों का भरोसा कम नहीं हुआ है।

मैच्योर हो गया है 'रिटेल इन्वेस्टर'

बरुण दास ने आगे कहा कि भारतीय निवेशक अब 'मैच्योर' हो गए हैं. वे प्रधानमंत्री मोदी के फाइनेंशियल इनक्लूजन मिशन का हिस्सा बनकर खुद को आर्थिक रूप से मजबूत कर रहे हैं. आज का निवेशक मानता है कि 'म्यूचुअल फंड सही है' और वह समझ गया है कि भारत जैसी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में पैसा बनाने का सबसे अच्छा तरीका SIP ही है. वे समझ गए हैं कि मार्केट में टाइमिंग मायने नहीं रखती।

बॉम्बे हाई कोर्ट पहुंचा गैस किल्लत का मामला, पेट्रोलियम मंत्रालय से मांगा गया जवाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देश के कई शहरों में गैस की किल्लत देखने को मिल रही है. इस बीच बॉम्बे हाई कोर्ट ने केंद्रीय पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मिनिस्ट्री के साथ ही एक प्राइवेट फर्म को नोटिस जारी किया. ये नोटिस ऊर्जा संकट के बीच घरेलू कुकिंग गैस सिलेंडर की सप्लाई बढ़ाने की मांग करने वाली 6 एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर की याचिका के संबंध में है. याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि नागपुर में हेडक्वार्टर वाली कॉन्फिडेंस पेट्रोलियम इंडिया लिमिटेड केंद्र के निर्देश के बावजूद घरेलू एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई बढ़ाने में नाकाम रही है।

वकील श्याम दीवानी और साहिल दीवानी के जरिए दायर याचिका में दावा किया गया कि ईरान युद्ध के कारण ग्लोबल क्रूड सप्लाई में रुकावट आई है, जिससे एलपीजी प्रोडक्शन में रुकावट आई है. इसके बाद पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मिनिस्ट्री ने आदेश जारी किए थे कि घरेलू कंज्यूमर के लिए एलपीजी प्रोडक्शन और सप्लाई को प्राथमिकता दी जाए।

बार-बार रिप्रेजेंटेशन दिए जाने पर भी एक्शन नहीं

याचिका में कहा गया है, कंपनी को एलपीजी एक्सपोर्ट रोकने और घरेलू मार्केट में सप्लाई बढ़ाने की मांग करने के लिए बार-बार रिप्रेजेंटेशन दिए जाने पर कोई एक्शन नहीं हुआ. कॉन्फिडेंस पेट्रोलियम इंडिया लिमिटेड ने उन्हें बताया था कि फर्म डोमेस्टिक मार्केट में सप्लाई को प्रायोरिटी नहीं दे सकती क्योंकि उसे अपनी एक्सपोर्ट स्ट्रैटेजी के हिसाब से इंटरनेशनल मार्केट को भी पूरा करना है.

कोर्ट के नोटिस का सोमवार को देना है जवाब

हाई कोर्ट की नागपुर बेंच ने याचिका पर सुनवाई करते हुए मिनिस्ट्री ऑफ़ पेट्रोलियम एंड नेचुरल गैस, डायरेक्टर जनरल ऑफ़ फॉरेन ट्रेड और कॉन्फिडेंस पेट्रोलियम इंडिया लिमिटेड को नोटिस जारी किए, जिनका जवाब सोमवार को देना है. बेंच ने कहा कि डोमेस्टिक एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई को प्राथमिकता देने की सरकार की पॉलिसी का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।

याचिका में ये भी कहा गया है कि 6 डिस्ट्रीब्यूटर कॉन्फिडेंस पेट्रोलियम इंडिया लिमिटेड से एलपीजी खरीदते हैं. बाद में नागपुर और महाराष्ट्र के दूसरे जिलों में सप्लाई करते हैं. मिनिस्ट्री ऑफ़ पेट्रोलियम एंड नेचुरल गैस एलपीजी समेत पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स के बारे में पॉलिसी बनाने और निर्देश जारी करने के लिए ज़िम्मेदार है. जबकि डायरेक्टरेट जनरल ऑफ़ फॉरेन ट्रेड ट्रेड पॉलिसी के बारे में एक्सपोर्ट पर रोक, पाबंदियों और दूसरे ज़रूरी निर्देश जारी करने के लिए ज़िम्मेदार है।

अच्छा हिंदू बनने के लिए गोमांस का सेवन जरूरी...विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने MP पुलिस से मांगा जवाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भोपाल– सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को उस याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई, जिसमें व्हाट्सएप पर कथित आपत्तिजनक संदेश साझा करने के आरोप में दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की गई है। न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने मामले में मध्य प्रदेश पुलिस और अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया है।

ये है पूरा मामला

बुद्ध प्रकाश बौद्ध पर 27 सितंबर को एक शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप थे कि उन्होंने एक व्हट्स ऐप ग्रुप में हिंदू धर्म और ब्राह्मण समुदाय के बारे में अपमानजनक और भ्रामक टिप्पणियों वाला एक मैसेज पोस्ट किया था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इन मैसेज में लिखा था- एक अच्छे हिंदू होने के लिए गोमांस खाना जरूरी है, कुछ अवसरों पर बैल की बलि और मांस खाना अनिवार्य है, ब्राह्मण नियमित रूप से

गोमांस खाते हैं, और कुछ धार्मिक कार्यक्रमों में कथित तौर पर गायों और बैलों का वध किया जाता है। इस पर शिकायकर्ता ने कहा कि हिंदू धर्म में गाय को बहुत सम्मान दिया जाता है, इसलिए इस पोस्ट ने उनकी और अन्य हिंदू और ब्राह्मण समुदाय के सदस्यों की धार्मिक भावनाओं को गहरा ठेस पहुंचाई है। इसके बाद पुलिस ने बुद्ध प्रकाश के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया था। हालांकि बुद्ध प्रकाश ने इस एफआईआर को रद्द कराने के लिए हाईकोर्ट का रुख किया था, हालांकि हाईकोर्ट ने इस याचिका को खारिज कर दिया था।

क्या कहा था हाईकोर्ट ने

बुद्ध प्रकाश बौद्ध ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें उनकी एफआईआर रद्द करने की याचिका खारिज कर दी गई थी। अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा था कि यह मामला ऐसी सामग्री के प्रकाशन या प्रसार से जुड़ा है, जो धार्मिक भावनाओं को आहत कर सकती है या समाज में वैमनस्य बढ़ा सकती है। इसी आधार पर एफआईआर को रद्द करने की मांग को खारिज कर दिया गया था। अब इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में आगे सुनवाई होगी।

पुलिस ने पोस्ट को बताया आपत्तिजनक

पुलिस के अनुसार, बुद्ध प्रकाश बौद्ध ने व्हाट्सएप पर सात पेज का एक संदेश साझा किया था, जिसमें हिंदू धर्म और ब्राह्मण समुदाय को लेकर कथित तौर पर 'आपत्तिजनक और भ्रामक' टिप्पणियां की गई थीं। शिकायत के मुताबिक, संदेश में यह दावा किया गया था कि 'अच्छा हिंदू बनने के लिए गोमांस का सेवन जरूरी है' और कुछ अवसरों पर बैलों की बलि तथा मांस सेवन को अनिवार्य बताया गया था।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से अखिलेश ने मुलाकात, कहा- नकली संतों का अंत होगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ– समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से मुलाकात कर उनसे आशीर्वाद लिया और कहा कि इस आशीर्वाद से ''नकली संतों का अंत होने जा रहा है।'' स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से बातचीत में यादव ने कहा कि वह शंकराचार्य से आशीर्वाद और ज्ञान लेने तथा उनसे कुछ सीखने आए थे। इस सवाल पर कि क्या शंकराचार्य से वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए भी कोई आशीर्वाद मिला है, सपा प्रमुख ने कहा, ''हम राजनीतिक लोग हैं। आज के समय पर जहां सोशल मीडिया इतना हावी है, हर व्यक्ति कोई ना कोई राजनीतिक अटकल जताने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन पूजनीय शंकराचार्य से मैं आशीर्वाद लेने आया था।''

यादव ने कहा कि कोई भी शुभ काम शुरू होने से पहले अगर साधु संतों का आशीर्वाद मिल जाए तो उससे अच्छा और क्या हो सकता है। हालांकि उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर कहा, ''सबसे बड़ी बात है कि शंकराचार्य जी का आशीर्वाद मिलने से नकली संतों का अंत होने जा रहा है।'' ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती गौ रक्षा अभियान के तहत बुधवार को लखनऊ पहुंचे थे।

सपा प्रमुख ने आगामी विधानसभा चुनाव में बड़े पैमाने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों के टिकट कटने की खबर होने का दावा करते हुए कहा, ''सुनने में आ रहा है कि जिले-जिले में बैठकें होने लगी हैं कि किसका टिकट कटेगा और किसका बचेगा। बैठकें हो रही हैं, जिनमें कहा जा रहा है कि दोनों उपमुख्यमंत्री को बाहर निकालिए और हो सकता है कि जनता के बीच में ये जाएं तो जीतें ही ना।'' इस सवाल पर कि आने वाले समय में बैठकों में जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के साथ-साथ भाजपा के जिला अध्यक्ष भी शामिल होंगे, सपा प्रमुख ने कहा, ''यह लोकतंत्र का सत्यानाश करने वाले लोग हैं। जिलाधिकारी महोदय यह सोचें कि उनके ऊपर भाजपा का जिलाध्यक्ष बैठेगा। इसका मतलब यह हुआ कि जिलाधिकारी को अपनी नेम प्लेट हटानी पड़ेगी। यादव ने रसोई गैस सिलेंडर को लेकर प्रदेश के विभिन्न जिलों में कथित किल्लत के लिए केंद्र सरकार के फैसलों को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कर्मस्थली गोरखपुर और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी में भी लोगों को रसोई गैस सिलेंडर पाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने भारत के बुलावे पर संयुक्त अभ्यास में शामिल होने आए ईरान के युद्धपोत को अमेरिका द्वारा हमला करके डुबोए जाने की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि वह जहाज भारत के बुलावे पर आया था इसलिए उस पर सवार लोग हमारे मेहमान थे।

नेताजी की अस्थियां कहां हैं? सवाल के साथ सुप्रीम कोर्ट का याचिका पर सुनवाई से इनकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की अस्थियां वापस लाने संबंधी याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है. ये याचिका नेताजी के रिश्ते में एक पोते द्वारा दायर की गई थी, जिसमें टोक्यो के रेंकोजी मंदिर से अस्थियों को भारत वापस लाने के निर्देश दिए जाने का अनुरोध किया गया है. सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ ने जब याचिका पर विचार करने की अनिच्छा जताई तो याचिकाकर्ता आशीष राय की ओर से पेश वकील अभिषेक सिंघवी ने इसे वापस लेने की अनुमति मांगी, जिसकी पीठ ने अनुमति दे दी।

इससे पहले सिंघवी ने पीठ से कहा, मैं परिवार के उन सदस्यों की ओर से पेश हो रहा हूं जो अस्थियों का सम्मानपूर्वक विसर्जन करना चाहते हैं. इस पर सीजेआई ने पूछा कि यह मुद्दा न्यायालय के सामने कितनी बार आएगा? पिछले साल ही न्यायालय ने एक याचिका खारिज की थी. सिंघवी ने कहा कि यह वह मुद्दा नहीं था, जो पहले अदालत के समक्ष आया था.

सबसे पहली बात, अस्थियां कहां हैं?

सीजेआई ने कहा, सबसे पहली बात, अस्थियां कहां हैं? इसका क्या सबूत है? बोस हमारे राष्ट्र के महानतम नेताओं में से एक थे और हम सभी उनके बलिदान को नमन करते हैं. सिंघवी ने कहा, यह दर्ज है कि भारत के हर राष्ट्राध्यक्ष ने जापान के रेंकोजी मंदिर में श्रद्धांजलि अर्पित की थी. न्यायालय ने पहले जिस मामले पर विचार किया था, वह यह घोषित करने के बारे में था कि बोस की मृत्यु हुई है या नहीं।

परिवार के कितने सदस्य याचिका के समर्थन में?

पीठ ने कहा, सबसे पहले हम ये जानना चाहेंगे कि परिवार के कितने सदस्य इस याचिका का समर्थन कर रहे हैं? इस पर सिंघवी ने कहा कि बोस की एकमात्र उत्तराधिकारी उनकी 84 साल की बेटी हैं, याचिकाकर्ता उनके रिश्ते के पोते हैं. पीठ ने कहा, बेटी हमारे सामने उपस्थित नहीं हैं. अगर उत्तराधिकारी अस्थियों को देश में लाना चाहती हैं तो उन्हें अदालत के सामने पेश होना होगा।

हम उनकी भावनाओं का सम्मान करते हैं

सिंघवी ने कहा, बेटी ऑनलाइन माध्यम से अदालत में मौजूद हैं. इस पर पीठ ने कहा कि हम उनकी भावनाओं का सम्मान करते हैं. हम यह तय करेंगे कि उनकी भावनाओं को कानूनी कार्रवाई में बदला जाए लेकिन उन्हें आगे आना होगा. हमारी जानकारी के अनुसार घटना को लेकर परिवार में ही मतभेद हैं।

तम्बाकू : सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए खतरा

तम्बाकू सेवन रोकी जा सकने वाली मृत्यु और बीमारी का प्रमुख कारण है, जो अपने सेवनकर्ताओं को समय पूर्व, काल के गाल में पहुंचा देता है। यह कैंसर, हृदय रोग, मधुमेह, फेफड़ों के रोग, स्ट्रोक, बांझपन, अंधापन, तपेदिक (टीबी), मौखिक गुहा आदि अनेक पुरानी बीमारियों के लिए एक प्रमुख कारक है। सेकेंड-हैंड धूम्रपान या निष्क्रिय धूम्रपान के संपर्क में आने से शिशुओं, बच्चों और वयस्कों को कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। तंबाकू उत्पादों को यत्र-तत्र थूकने से स्वाइन फ्लू, निमोनिया, गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल रोग फैलते हैं, जिससे टीबी के संचरण का संभावित खतरा बना रहता है और साथ ही जनता को अकारण परेशानी होती है। तम्बाकू के दो रूप हैं - ''धूम्रपान तम्बाकू'' , जैसे सिगरेट, बीड़ी, हुक्का, गांजा, सिगार आदि और ''धूम्र रहित तम्बाकू'' जैसे खैनी, जर्दा, गुटखा आदि। नए विकसित इलेक्ट्रॉनिक धूम्र-उत्पाद (यथा ई-सिगरेट और अन्य समरूप उत्पाद) हमारे समक्ष नई चुनौतियां उत्पन्न कर रहे हैं । इलेक्ट्रॉनिक निकोटीन डिलीवरी सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक गैर-निकोटीन डिलीवरी सिस्टम, जिन्हें आमतौर पर ई-सिगरेट के नाम से प्रचलित है, में तंबाकू नहीं होता है और इसमें निकोटीन हो भी सकता है और नहीं भी, लेकिन ये स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक हैं।

ग्लोबल एडल्ट तम्बाकू सर्वेक्षण भारत (2016-17) की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की लगभग 33.2 करोड़ वयस्क जनसंख्या (सभी वयस्कों का लगभग 28 प्रतिशत) तम्बाकू का उपयोग करती है, जिनमें से 10 करोड़ धूम्रपान तम्बाकू सेवन करने वाले, 20 करोड़ धूम्ररहित तम्बाकू सेवन करने वाले और 3.2 करोड़ दोनों का सेवन करने वाले हैं। ग्लोबल यूथ तम्बाकू सर्वेक्षण (2009) की रिपोर्ट के अनुसार, 13 से 15 वर्ष की आयु वर्ग के 14.6 प्रतिशत छात्र तम्बाकू का सेवन करते हैं। भारत में हर साल 13 लाख से ज्यादा लोग तम्बाकू सेवन के कारण अपनी जान से हाथ धो बैठते हैं। इससे सामाजिक और आर्थिक हानि भी होती है। वैश्विक स्तर पर 62 देशों ने अपने यहां व्यापक धूम्रपान-मुक्त नीतियां अपनाई हैं। भारत सरकार ने तम्बाकू की खपत में प्रभावी कमी लाने के लिए 2004 में सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद (विज्ञापन प्रतिबंध तथा व्यापार और वाणिज्य, उत्पादन, आपूर्ति और वितरण विनियमन) अधिनियम 2003 लागू किया । तम्बाकू सेवन को प्रतिबंधित करने के लिए समय-समय पर अनेक नियम और दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान, नाबालिगों के द्वारा सेवन एवं उनके द्वारा तंबाकू उत्पादों की बिक्री, शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री, ऐसे उत्पादों का विज्ञापन और प्रचार प्रसार आदि प्रतिबंधित है। तम्बाकू पैकेटों पर वैधानिक चेतावनी अंकित की जा रही है तथा फिल्मों एवं टीवी में ऐसी चेतावनी दिखाना अनिवार्य कर दिया गया है। खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के तहत खाद्य सुरक्षा और मानक (बिक्री पर निषेध और प्रतिबंध) विनियम 2011 के माध्यम से धुआं रहित तम्बाकू उत्पादों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। 2007-08 में, राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है जो नियंत्रण कानूनों के कार्यान्वयन के साथ-साथ लोक भागीदारी, विद्यालय कार्यक्रम, आईईसी और वकालत पर केन्द्रित है। तंबाकू सेवन को नियंत्रित करने के लिए प्रख्यापित कानूनों, नियमों और विनियमों को लागू करने में नागरिक संगठनों की अहम भूमिका और जिम्मेदारियां हैं।

बच्चे और किशोर किसी भी राष्ट्र के भविष्य होते हैं। अतः हमारे शिक्षण संस्थानों को तम्बाकू मुक्त बनाना आवश्यक है। ग्लोबल एडल्ट तम्बाकू सर्वेक्षण तथा ग्लोबल यूथ तम्बाकू सर्वेक्षण की रिपोर्ट के अनुसार, किशोरों और युवाओं में तम्बाकू सेवन का चलन तीव्र गति से बढ़ रहा है। इसलिए ''तम्बाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान'' के लिए 2008 में एक दिशानिर्देश जारी किया गया है, जिसका उद्देश्य है - (क) छात्रों, शिक्षकों और अन्य संस्थागत कर्मियों के बीच तंबाकू सेवन से स्वास्थ्य पर होने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता, (ख) संस्थान में स्वस्थ और तंबाकू मुक्त वातावरण का निर्माण, (ग) तम्बाकू सेवन संबंधी कानूनी प्रावधान का बेहतर कार्यान्वयन। संस्थान को परिसर के अंदर एवं बाहर प्रमुख स्थानों पर ''तम्बाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान'' का साइनबोर्ड या दीवार लेखन करवाना चाहिए। संस्थान को कक्षा 9वीं से उपर के छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों में से एक या अधिक तम्बाकू मॉनिटर्स नामित करना चाहिए। ये मॉनिटर तम्बाकू सेवनकर्ता नहीं होने चाहिए। संस्था को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि परिसर के अंदर और 100 गज के दायरे में किसी भी तंबाकू उत्पाद की बिक्री न की जाए तथा तम्बाकू सेवन करते हुए पाये जाने पर जुर्माना लगाया जाये। संस्थानों के द्वारा तम्बाकू सेवनकर्ताओं को नशामुक्त केन्द्रों की सेवा का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करके तम्बाकू छोड़ने में मदद करनी चाहिए। तम्बाकू मॉनिटर को ई-सिगरेट जैसे तम्बाकू के विकल्पों और हीट-नॉट-बर्न डिवाइसेस, वेप्स, ई-शीशा, ई-निकोटीन फ्लेवर्ड हुक्का जैसे उपकरणों के बारे में सतर्क रहना चाहिए।

संस्थान को तंबाकू नियंत्रण गतिविधियों का आयोजन करना चाहिए, जैसे कि तंबाकू के खिलाफ शपथ लेने हेतु सभा, सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों यथा- पोस्टर /नारा/ निबंध/ प्रश्नोत्तरी/ वाद-विवाद प्रतियोगिताएं और नुक्कड़ नाटक आदि का आयोजन करना तथा इस क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वाले छात्रों /शिक्षकों/कर्मचारियों को प्रशंसा प्रमाण पत्र/पुरस्कार प्रदान किया जाना चाहिए। स्थानीय कानून /स्वास्थ्य अधिकारियों को समय-समय पर विद्यालय असेंबली में तंबाकू नियंत्रण पर व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया जाना चाहिए। यद्यपि तम्बाकू सेवन से लोगों के जीवन की रक्षा हेतु देश में कई कानून, नियम और अन्य निषेधात्मक उपाय प्रख्यापित हैं, लेकिन वे हाथी के दांत की भांति महज दिखावटी हैं। यदि सरकार वास्तव में स्वस्थ एवं नशामुक्त भारत के प्रति संवेदनशील है तो तम्बाकू सहित सभी नशीले उत्पादों के उत्पादन पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा देना चाहिए तथा इसकी फैक्ट्रियों को सील कर देना चाहिए।

ई0 प्रभात किशोर

संपादकीय

राजनीति में विचारों का अचार डालने की कला

पिछले सप्ताह होली और फिर रंगपंचमी पर रंगे-पुते चेहरों को देखते हुए मेरे मन में सवाल आया कि क्या हमारी राजनीति भी ऐसी ही रंग-बिरंगी होती जा रही है कि असली चेहरा पहचानना भी मुश्किल हो जाए! पहले गुलाल का और प्राकृतिक रंगों का चलन था तो लोग बड़ी आसानी से पहचान में आ जाते थे, अब पेंट, डामर और गटर के कीचड़ से पुते चेहरे एक जैसे बदरंग लगते हैं, अब आप कहेंगे कि होली तो बीत गई, फिर रंगों की चर्चा क्यों कर रहा हूं? तो कारण निश्चय ही राजनीति है जहां ये मुहावरा बड़ा फिट बैठ रहा है कि विचारधारा तेल लेने गई! चलो विचारों का अचार डालते हैं। 'विचारधारा गई तेल लेने' का मतलब है कि राजनीति में उसकी कोई अहमियत नहीं रह गई है। कई लोग कहने भी लगे हैं कि जब कोई विचारधारा सत्ता का लक्ष्य न भेद पाए तो फिर मछली की आंख से नजर चुराने में ही भलाई है! वो बात बहुत पुरानी हो गई कि सत्ता मिले न मिले, अपनी विचारधारा पर कायम रहेंगे। ये नया जमाना है, नेताओं ने भी नई राह पकड़ ली है। शिवसेना वाले एक नेताजी से हाल ही में मुलाकात हुई, मैंने पूछा कि पार्टी कैसी चल रही है? उन्होंने खीसें निपोरते हुए कहा कि अरे मैं तो इन दिनों भाजपा में हूं। एनसीपी के एक नेताजी मिले। मैंने पूछा कि क्या हाल हैं? कहने लगे कि बहुत अच्छा चल रहा है। भाजपा जैसी कोई दूसरी पार्टी नहीं है! वो कहने लगे कि हम सत्ता में नहीं रहेंगे तो अपने मतदाताओं की उम्मीदें कैसे पूरी कर पाएंगे? मेरे पास बैठे पत्रकार ने विचारधारा की बात छेड़ी तो नेताजी कहने लगे कि अरे, विचारों को लिए बैठेंगे तो जवानी संघर्ष में ही बीत जाएगी! विचार का क्या अचार डालेंगे? हमारी बात तो छोड़िए। राहुल जी के खासमखास ही उनका साथ छोड़ गए। इस तरह का जवाब सुनकर अब मैं यह सोच रहा हूं कि क्या हालचाल जानने से पहले ये पूछ लूं कि वह इन दिनों किस पार्टी में हैं?

वैसे इस तरह का सवाल किसी वामपंथी नेता से नहीं पूछ सकते। चीन और रूस ने वामपंथी सोच को त्याग दिया लेकिन हमारे देश के वामपंथी दोस्तों ने अपनी विचारधारा की नकेल कस रखी है कि प्रलोभन में मत पड़ना! वामपंथी हैं, थे और रहेंगे। आपको याद होगा कि एक समय सभी विपक्षी दल मिलकर ज्योति बसु को प्रधानमंत्री बनाने पर सहमत हो गए थे लेकिन वामपंथी नेता प्रकाश करात और हरकिशन सिंह सुरजीत ने वीटो लगा दिया कि विपक्षी दलों से विचारधारा नहीं मिलती, इसलिए ज्योति बाबू पीएम नहीं बनेंगे! हालांकि विचारधारा को लेकर अडिगता के बारे में भाजपा की भी तारीफ करनी होगी कि जब संसद में संख्या केवल 2 थी तब भी भाजपा नेताओं ने विचारधारा नहीं बदली। कोई कैसे भूल सकता है कि कांग्रेस की जब तूती बोलती थी तब राम मनोहर लोहिया, मधु लिमये, मधु दंडवते, मृणाल गोरे जैसे नेता अपने विचारों के लिए संघर्ष करते रहे। उन्होंने पाला नहीं बदला। एन.डी. पाटिल की तो याद आपको होगी ही, वे बड़े शेतकारी नेता थे और रिश्ते में शरद पवार के बहनोई होने के बावजूद विचारों को लेकर उनके प्रबल विरोधी थे। भारतीय राजनीति में ऐसे कई उदाहरण मिल जाएंगे, मगर अब जमाना बदल गया है।

अभी महाराष्ट्र नगरीय निकाय चुनाव के दौरान किसी ने मुझसे बड़ी दिलचस्प बात कही कि कौन किसके साथ है और कौन किसके खिलाफ है, यह तय कर पाना बड़ा मुश्किल है, जो मुंबई में हाथ में हाथ डाले खड़ा है, वह पुणे पहुंच कर विरोधी खेमे में खड़ा हो गया। तीसरी जगह किसी तीसरे के साथ खड़ा नजर आया। चुनाव के दौरान जो हुआ वह तो दिमाग का दही बनाने वाला मामला था। बीएमसी का चुनाव तो भाजपा और शिवसेना (शिंदे) ने एक साथ लड़ा। एनसीपी (अजित पवार गुट) सरकार के साथ है लेकिन बीएमसी का चुनाव अलग लड़ा लेकिन ये सारे समीकरण पुणे में बदल गए, वहां भाजपा ने अलग चुनाव लड़ा और शिवसेना शिंदे ने अलग लड़ा।

एनसीपी का अजित पवार गुट पुणे में शरद पवार के साथ हो गया! मगर नागपुर में दोनों ने अलग चुनाव लड़ा। मुंबई में कांग्रेस ने ठाकरे बंधुओं से रिश्ता तोड़ लिया था लेकिन पुणे में हाथ मिला लिया। मुंबई में कांग्रेस के साथ चुनाव लड़ने वाली वंचित बहुजन आघाड़ी पुणे में कांग्रेस के खिलाफ लड़ी। राज्य की सत्ता में भागीदार भाजपा, शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित) ने छत्रपति संभाजी नगर में अलग-अलग किस्मत आजमाई। नासिक में भाजपा अलग थी तो शिंदे और पवार साथ थे। महापौर के लिए भी अजब-गजब गठबंधन हुए। भिवंडी-निजामपुर शहर नगर निगम के महापौर चुनाव में भाजपा के पास स्पष्ट बहुमत था। उसने स्नेहा पाटिल को उम्मीदवार बनाया लेकिन भाजपा के नारायण चौधरी बिफर गए। उन्हें शरद पवार वाली एनसीपी के नेतृत्व वाले भिवंडी सेक्युलर फ्रंट ने समर्थन दे दिया और वे मेयर बन गए। एक भाजपाई का दर्द छलका कि बाहर से आए लोग पार्टी में मजे ले रहे हैं तो हम क्या बस जाजम बिछाने में जिंदगी गुजार दें? चंद्रपुर में कांग्रेस बहुमत के करीब थी लेकिन शिवसेना उद्धव गुट के समर्थन से भाजपा का महापौर चुना गया। वैसे मौजूदा दौर में कुछ लोग रामदास आठवले की तारीफ करते हैं कि वो सबसे सच्चे नेता हैं। अपने विचारों को लेकर स्पष्ट हैं।

वे साफ कहते हैं कि जो सत्ता में है, हम उसके साथ हैं, जिसके साथ हम हैं, वह सत्ता में है! यानी जो दिल में है, वही बोलते हैं। कोई लाग-लपेट नहीं। मगर दूसरे लोगों की हालत ऐसी है कि जो रंग चेहरे पर लगा है, उसे पलक झपकते ही साफ कर लेते हैं और दूसरा लगा लेते हैं। दूसरा हटाते हैं, तीसरा लगा लेते हैं। मतदाताओं को समझा भी देते हैं कि उनकी भलाई के लिए ही उन्होंने खुद को रंग-बिरंगा बना लिया है। जनता जानती है कि उसका काम ताली बजाना है...वह ताली बजाए जा रही है!

दूर का युद्ध, पास का असरः तेल संकट और भारत की चिंता

[वैश्विक युद्ध की लपटें और भारत की थाली तक पहुंचता असर]

[जंग की आंच में तपता तेल बाजार और भारत के शहरों की बदलती तस्वीर]

तेल के वैश्विक बाजार में आई उथल-पुथल ने भारत के शहरी जीवन और अर्थव्यवस्था के सामने नया संकट खड़ा कर दिया है। जब कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर के पार पहुँचीं, तो इसका असर केवल आर्थिक आँकड़ों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सीधे लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी में दिखने लगा। बेंगलुरु जैसे बड़े महानगर में हजारों रेस्तरां द्वारा 10 मार्च से शहरव्यापी बंद की चेतावनी इस संकट की गंभीरता को उजागर करती है। होटल उद्योग का कहना है कि कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति बाधित हो गई है और यदि यह स्थिति जल्दी नहीं सुधरी तो शहर की खाद्य सेवाओं की निरंतरता पर गंभीर असर पड़ सकता है। यह केवल व्यापारिक समस्या नहीं, बल्कि लाखों लोगों की दैनिक भोजन व्यवस्था और हजारों कर्मचारियों के रोजगार से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। युद्ध की आग में झुलसता मध्य पूर्व इस संकट की वास्तविक पृष्ठभूमि है। ईरान, अमेरिका और इज़राइल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को अस्थिर कर बाजार में घबराहट फैला दी है। अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार संघर्ष बढ़ने के बाद ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत अचानक उछलकर 119.50 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई और 9 मार्च 2026 को लगभग 105 से 107 डॉलर प्रति बैरल के बीच स्थिर हुई। यह उछाल सामान्य बाजार उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि ऊर्जा आपूर्ति पर मंडराते गंभीर खतरे का संकेत है। युद्ध के शुरुआती दिनों में ही तेल की कीमतों में लगभग 35 से 40 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज हुई, जिसने ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों की चिंता और बढ़ा दी है।

दुनिया के सबसे संवेदनशील समुद्री मार्गों में से एक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज इस संकट का केंद्र बन गया है। वैश्विक तेल व्यापार का लगभग पाँचवाँ हिस्सा और एलएनजी की बड़ी मात्रा इसी संकीर्ण जलमार्ग से गुजरती है। युद्ध और बढ़ते सुरक्षा जोखिमों के कारण यहां से गुजरने वाले जहाजों की आवाजाही अनिश्चित हो गई है, जिससे आपूर्ति बाधित होने की आशंका बढ़ी है। कई शिपिंग कंपनियों ने अतिरिक्त सुरक्षा कारणों से सेवाएँ सीमित कर दी हैं और बीमा प्रीमियम भी तेजी से बढ़ गए हैं। परिणामस्वरूप तेल परिवहन की लागत बढ़ी और वैश्विक बाजार में कीमतें और ऊपर चली गई। यही वजह है कि ऊर्जा बाजार में अस्थिरता लगातार बनी हुई है। भारत जैसे ऊर्जा-आयातक देश के लिए यह स्थिति विशेष रूप से गंभीर है। देश अपनी कुल तेल जरूरतों का लगभग 85 से 90 प्रतिशत आयात करता है और इसका बड़ा हिस्सा मध्य पूर्व से आता है। ऐसे में इस क्षेत्र में युद्ध या आपूर्ति संकट का सीधा असर भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ता है। तेल की कीमतें बढ़ने का अर्थ है कि आयात बिल के लिए अधिक विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ेगी। इससे चालू खाता घाटा बढ़ने और रुपये की विनिमय दर पर दबाव पड़ने की आशंका रहती है। यही कारण है कि वैश्विक ऊर्जा संकट को भारत के आर्थिक नीति-निर्माता हमेशा अत्यंत गंभीरता से देखते हैं। बेंगलुरु में उभरा रेस्तरां संकट इसी व्यापक समस्या का स्थानीय उदाहरण है। शहर के होटल और रेस्तरां संचालकों का कहना है कि कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति बाधित होने से उनके लिए नियमित रूप से भोजन तैयार करना कठिन हो गया है। यदि गैस आपूर्ति जल्द सामान्य नहीं हुई तो हजारों भोजनालयों पर संकट गहरा सकता है। आईटी उद्योग के कारण शहर में बड़ी संख्या में छात्र, पेशेवर और कामकाजी लोग रेस्तरां व फूड आउटलेट्स पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में इन सेवाओं में व्यवधान केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शहर की सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों को भी प्रभावित करेगा। इसी कारण होटल उद्योग संगठनों ने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। तेल की कीमतों में वृद्धि का प्रभाव केवल गैस आपूर्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह पूरे आर्थिक ढांचे को प्रभावित करता है। कच्चा तेल महंगा होते ही परिवहन लागत बढ़ती है और इसका असर लगभग हर वस्तु की कीमत पर पड़ता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि तेल की कीमत में हर 10 डॉलर की वृद्धि से भारत में महंगाई दर लगभग 0.2 से 0.25 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। इसका अर्थ है कि खाद्य पदार्थों से लेकर रोजमर्रा की जरूरतों तक सब कुछ महंगा हो सकता है। यदि कीमतें लंबे समय तक 100 डॉलर से ऊपर बनी रहीं, तो यह महंगाई के नए दौर की शुरुआत कर सकती हैं, जिसका सबसे अधिक असर मध्यम और निम्न आय वर्ग पर पड़ेगा।

आर्थिक विश्लेषकों के अनुसार ऊर्जा कीमतों में तेज उछाल भारत की आर्थिक वृद्धि को भी प्रभावित कर सकता है। यदि तेल लंबे समय तक महंगा बना रहता है तो देश की जीडीपी वृद्धि दर में लगभग 0.15 से 0.4 प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है। इसके साथ ही शेयर बाजार में अस्थिरता बढ़ सकती है, रुपया कमजोर पड़ सकता है और सरकारी वित्तीय संतुलन पर भी दबाव बढ़ सकता है। सरकार यदि करों में कटौती या सब्सिडी के जरिए राहत देने की कोशिश करती है तो राजकोषीय घाटा बढ़ने की आशंका भी रहती है। इसलिए यह संकट आर्थिक नीति के लिए एक जटिल चुनौती बन गया है, जिसमें संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है।

बेंगलुरु में संभावित रेस्तरां बंद देश के लिए एक चेतावनी संकेत भी है। यदि ऊर्जा आपूर्ति में बाधा बनी रहती है तो यही स्थिति अन्य महानगरों में भी उभर सकती है। होटल और फूड सर्विस उद्योग भारत में लाखों लोगों को रोजगार देता है और शहरी जीवन का अहम हिस्सा है। इसलिए उद्योग संगठनों ने सुझाव दिया है कि सरकार को पाइपलाइन गैस की उपलब्धता बढ़ाने, वैकल्पिक ईंधन को प्रोत्साहन देने और आपातकालीन ऊर्जा भंडार का उपयोग करने जैसे कदम उठाने चाहिए। साथ ही ऊर्जा आयात के स्रोतों को विविध बनाने की रणनीति भी जरूरी है, ताकि किसी एक क्षेत्र में संकट आने पर देश की ऊर्जा सुरक्षा प्रभावित न हो।

आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में किसी एक क्षेत्र का संकट सीमाओं में नहीं रुकता, बल्कि दूर-दराज़ देशों के दैनिक जीवन तक असर डालता है। मध्य पूर्व में बढ़ता संघर्ष हजारों किलोमीटर दूर भारत के शहरों में रेस्तरां सेवाओं को प्रभावित कर सकता है और आम लोगों की थाली तक असर पहुँचा सकता है। यदि तेल संकट लंबे समय तक बना रहा तो महंगाई, रोजगार और आर्थिक विकास सभी पर दबाव बढ़ेगा। इसलिए आवश्यक है कि भारत दीर्घकालिक ऊर्जा रणनीति पर तेजी से काम करे, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा, रणनीतिक तेल भंडार और मजबूत कूटनीतिक पहल शामिल हों। यही कदम भविष्य में ऐसे संकटों से देश को सुरक्षित रखने की सबसे प्रभावी दिशा साबित हो सकते हैं।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

मौसम का बदलता मिजाज खतरे का संकेत

भारत में ग्लोबल वार्मिंग का असर अब साफ नजर आने लगा है। अभी मार्च माह की शुरूआत ही हुई है और गर्मी ने अभी से ही अपने रिकॉर्ड तोड़ना शुरू कर दिया है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार मार्च के महीने में ही पसीने छूटने की मुख्य वजह तापमान में अचानक हुई बढ़ौतरी है। मौसम के ताजा आंकड़ों के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में अधिकतम तापमान लगभग 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। यह तापमान इस समय के लिए सामान्य से अधिक माना जा रहा है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि इतनी तेज गर्मी मार्च के शुरुआती दिनों में कम ही देखने को मिलती है। ऐसे में यह भी कहा जा रहा है कि पिछले कई दशकों में मार्च के दौरान इतनी गर्मी कम ही दर्ज की गई है। कई लोग इसे पिछले करीब 50 वर्षों में सबसे ज्यादा गर्म मार्च की शुरुआत में से एक मान रहे हैं। हाल के वर्षों में जलवायु परिवर्तन का असर मौसम पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। इसी वजह से मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है और गर्मी पहले की तुलना में जल्दी शुरू हो रही है। इसका असर यह है कि अब तापमान तेजी से बढ़ रहा है और गर्म दिनों की संख्या भी बढ़ रही है। कभी-कभी लू की अवधि भी पहले से अधिक लंबी हो जाती है। पिछले कुछ वर्षों में देश के कई शहरों ने गर्मी के पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। कुछ स्थानों पर तापमान 48 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया है। यदि यह स्थिति बनी रहती है तो आने वाले वर्षों में गर्मी और भी तीव्र हो सकती है। भारत की पारंपरिक पहचान उसके विविध ऋतु-चक्र से रही है, लेकिन अब यह चक्र पूरी तरह से टूट चुका है। ''सेंटर फार साइंस एंड एनवायरनमेंट'' (सीएसई) एवं ''डाउन टू अर्थ'' की नई रिपोर्ट'' इंडिया क्लाइमेट 2025'' ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत अब एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुका है जहां ''चरम मौसम'' कोई अपवाद नहीं बल्कि रोजमर्रा की हकीकत बन गया है। सीएसई ने मौसम विभाग, गृह मंत्रालय के आपदा प्रबंधन विभाग एवं विभिन्न राज्यों की एजेंसियों की रिपोर्ट के आधार पर विश्लेषण किया है। साथ ही साल 2022 से सितंबर 2025 तक लगभग 1500 दिनों की भारत की मौसम संबंधी आपदाओं का एक नया नक्शा तैयार किया है। अध्ययन का सबसे चौंकाने वाला निष्कर्ष यह है कि भारत में ऋतुओं का आपस में विलय हो रहा है।

सर्दी, गर्मी और वर्षा के बीच की स्पष्ट रेखाएं अब धुंधली पड़ चुकी हैं। आंकड़े बताते हैं कि साल 2025 के पहले नौ महीनों (जनवरी से सितंबर) के दौरान देश ने लगभग 99 प्रतिशत दिन चरम मौसम की मार झेली है। इसका मतलब है कि इन 273 दिनों में से शायद ही कोई ऐसा दिन रहा हो, जब भारत के किसी न किसी हिस्से में भारी वर्षा, लू, ओलावृष्टि या चक्रवात जैसी आपदा न आई हो। उत्तर प्रदेश में भी गर्मी का असर तेजी से बढ़ने लगा है। तीन साल बाद मार्च के पहले सप्ताह में ही तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि इस महीने तापमान 40 डिग्री तक पहुंच सकता है। 2025 में, मार्च के पहले सप्ताह के दौरान, उत्तर प्रदेश के अधिकांश शहरों में दिन का तापमान 29 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया, जबकि रात का तापमान लगभग 14 से 19 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 1 मार्च 2026 को दिन का अधिकतम तापमान 32.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो पिछले तीन वर्षों में मार्च की शुरुआत का उच्चतम तापमान है। इससे पहले 2023 में 1 मार्च को दर्ज किया गया अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस था। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, मार्च की शुरुआत में इतना अधिक तापमान इस बात का संकेत है कि आने वाले दिनों में गर्मी तेजी से बढ़ सकती है। जाहिर है मौसम के मिजाज में आ रहे इस असामान्य बदलाव का हमारे जीवन और आजीविका पर गहरा प्रभाव आने वाले दिनों में नजर आएगा, जिसको लेकर देशव्यापी चर्चा जारी है। विशेषकर उत्तर भारत के कृषि क्षेत्र में इसके नकारात्मक आर्थिक परिणामों को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। वास्तव में मौसमी बदलाव फलों के नाजुक जैविक चक्र को बाधित कर रहा है, जिसके चलते उपज में भारी नुक्सान के साथ-साथ गुणवत्ता में गिरावट की आशंका व्यक्त की जा रही है। कृषि वैज्ञानिकों का अनुमान है कि मार्च का महीना किसानों के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। तापमान में वृद्धि से रबी की फसलों, विशेषकर गेहूं पर असर पड़ेगा। गर्मी के कारण अनाज का पूर्ण विकास नहीं हो पाएगा जिससे पैदावार कम होगी। गर्म हवाओं से सरसों, चना और मटर जैसी फसलों को नुक्सान हो सकता है। बढ़ते तापमान के कारण खेतों की मिट्टी जल्दी सूख जाती है। इससे सिंचाई की लागत बढ़ जाती है और फसलों पर दबाव पड़ता है।

कैसे अजीत अगरकर के फैसलों ने टीम इंडिया को बनाया वर्ल्ड चैंपियन

भारतीय क्रिकेट के इतिहास में 8 मार्च 2026 का दिन एक यादगार तारीख बन गया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर तीसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब जीत लिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 255/5 का विशाल स्कोर बनाया और जवाब में न्यूजीलैंड की पूरी टीम 159 रन पर सिमट गई। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने 4 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता, जबकि पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए संजू सैमसन को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। इस जीत के साथ भारत ने सिर्फ एक और ट्रॉफी नहीं जीती, बल्कि इतिहास भी रच दिया। यह पहली बार था जब किसी टीम ने लगातार दो टी20 वर्ल्ड कप जीते और साथ ही मेजबान देश के रूप में भी खिताब अपने नाम किया। भारत इससे पहले 2007 और 2024 में भी टी20 विश्व कप जीत चुका था, और अब तीसरी बार इस ट्रॉफी पर कब्जा करके उसने विश्व क्रिकेट में अपनी ताकत का एक बार फिर परिचय दिया।

फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम का प्रदर्शन पूरी तरह एकतरफा रहा। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों ने शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज अपनाया। संजू सैमसन ने 46 गेंदों में 89 रन की शानदार पारी खेली, जबकि अभिषेक शर्मा और ईशान किशन ने तेज अर्धशतक लगाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। भारतीय बल्लेबाजों की आक्रामक बल्लेबाजी की वजह से टीम ने टी20 वर्ल्ड कप फाइनल का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर बना दिया। जब न्यूजीलैंड की टीम लक्ष्य का पीछा करने उतरी तो भारतीय गेंदबाजों ने भी उतनी ही धार दिखाई। जसप्रीत बुमराह ने अपने घातक यॉर्कर और धीमी गेंदों से विपक्षी बल्लेबाजों को परेशान किया और 4 विकेट लेकर मैच का रुख पूरी तरह भारत की ओर मोड़ दिया। उनके साथ अक्षर पटेल और अन्य गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया, जिससे न्यूजीलैंड की टीम 19 ओवर में ही 159 रन पर ढेर हो गई।

हालांकि इस ऐतिहासिक जीत के पीछे सिर्फ खिलाड़ियों का प्रदर्शन ही नहीं था। टीम के चयन और रणनीति में भी एक बड़ा दिमाग लगातार काम कर रहा था। वह व्यक्ति मैदान पर नजर नहीं आता, लेकिन उसके फैसलों का असर सीधे टीम की सफलता पर दिखाई देता है। वह नाम है भारतीय टीम के चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर का। जुलाई 2023 में जब अजीत अगरकर को भारतीय टीम का मुख्य चयनकर्ता बनाया गया, तब टीम एक संक्रमण काल से गुजर रही थी। कई बड़े खिलाड़ी अपने करियर के अंतिम दौर में थे और टीम को नई दिशा देने की जरूरत थी। ऐसे समय में अगरकर ने कई ऐसे फैसले लिए जो शुरुआत में काफी विवादित लगे। लेकिन समय के साथ वही फैसले भारतीय क्रिकेट के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हुए। अगरकर का सबसे बड़ा गुण यह रहा कि उन्होंने टीम चयन में साहस दिखाया। उन्होंने कई बार ऐसे फैसले लिए जिनकी आलोचना भी हुई, लेकिन उन्होंने अपने निर्णयों पर भरोसा बनाए रखा। उदाहरण के लिए टी20 टीम की कप्तानी को लेकर उन्होंने सूर्यकुमार यादव पर भरोसा जताया। उस समय कई क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना था कि हार्दिक पंड्या इस भूमिका के लिए बेहतर विकल्प हो सकते थे, लेकिन चयन समिति ने अलग रास्ता चुना। बाद में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम ने आक्रामक और आधुनिक टी20 क्रिकेट खेलते हुए लगातार सफलता हासिल की।

अगरकर की चयन नीति का एक और महत्वपूर्ण पहलू युवाओं को मौका देना था। उन्होंने कई युवा खिलाड़ियों को टीम में जगह दी और उन्हें खुद को साबित करने का मौका दिया। ईशान किशन, अभिषेक शर्मा और कई अन्य खिलाड़ियों को लगातार अवसर मिले। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में इन खिलाड़ियों का प्रदर्शन यह साबित करने के लिए काफी था कि चयन समिति की रणनीति कितनी सही थी। ईशान किशन की टीम में वापसी भी एक बड़ा निर्णय था। कुछ समय तक टीम से बाहर रहने के बाद उन्हें फिर मौका दिया गया और उन्होंने अपने प्रदर्शन से यह साबित कर दिया कि चयनकर्ताओं का भरोसा सही था। बड़े मैचों में उनका आत्मविश्वास और आक्रामक खेल भारतीय टीम के लिए बेहद उपयोगी साबित हुआ।

अगरकर के कार्यकाल में भारतीय टीम ने लगातार बड़े टूर्नामेंटों में शानदार प्रदर्शन किया। 2023 के वनडे वर्ल्ड कप में भारत फाइनल तक पहुंचा था, हालांकि वहां उसे हार का सामना करना पड़ा। लेकिन उस हार से टीम ने सबक लिया और अगले वर्षों में और भी मजबूत होकर सामने आई। इसके बाद 2024 में भारत ने टी20 वर्ल्ड कप जीतकर एक लंबे अंतराल के बाद आईसीसी ट्रॉफी हासिल की। उस जीत ने भारतीय क्रिकेट में आत्मविश्वास की नई लहर पैदा की। फिर 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर टीम ने यह साबित कर दिया कि उसकी सफलता कोई संयोग नहीं थी।

और अंततः 2026 में टी20 वर्ल्ड कप जीतकर भारत ने अपने स्वर्णिम दौर को और भी मजबूत कर दिया। लगातार बड़े टूर्नामेंट जीतना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होता, लेकिन भारतीय टीम ने यह करके दिखाया। इस पूरी यात्रा में खिलाड़ियों की प्रतिभा, कोचिंग स्टाफ की मेहनत और टीम के भीतर का आत्मविश्वास तो महत्वपूर्ण था ही, लेकिन चयन समिति की दूरदृष्टि भी उतनी ही अहम रही। अजीत अगरकर ने यह दिखाया कि सही समय पर सही फैसले लेना कितना जरूरी होता है। आज भारतीय क्रिकेट जिस मुकाम पर खड़ा है, वहां यह साफ दिखाई देता है कि टीम सिर्फ प्रतिभा के दम पर नहीं, बल्कि एक स्पष्ट रणनीति और मजबूत नेतृत्व के कारण भी आगे बढ़ रही है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 की जीत इसी सोच और साहस का परिणाम है।

मैदान पर चमकते सितारों के पीछे अक्सर कुछ ऐसे लोग होते हैं जिनका नाम कम लिया जाता है, लेकिन उनका योगदान बेहद बड़ा होता है। अजीत अगरकर भी उन्हीं में से एक हैं। उन्होंने आलोचनाओं की परवाह किए बिना जो फैसले लिए, वही आज भारतीय क्रिकेट की सबसे बड़ी ताकत बन चुके हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 की यह जीत सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं है, बल्कि यह उस विश्वास की जीत है जो कठिन फैसले लेने का साहस रखता है और भविष्य की ओर देखने की दृष्टि भी। भारतीय क्रिकेट के इस नए स्वर्णिम दौर में अजीत अगरकर का योगदान लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

महेन्द्र तिवारी

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। **R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,** E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

तीन माह बाद अपहृत किशोरी बरामद, आरोपी को जेल

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव से अपहृत किशोरी को पुलिस ने करीब तीन माह बाद बरामद कर लिया है। पुलिस ने मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर उसे जेल भेज दिया। लापता किशोरी की मां ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि बीते वर्ष 5 दिसंबर को गांव का ही एक युवक उसकी बेटी को बहला फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया था। तहरीर के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू की। मंगलवार को पुलिस ने किशोरी को बरामद कर लिया। बरामदगी के बाद उसे मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले में नामजद आरोपी सूरज को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

दुकान सामान लेने गए युवक को पीटा

क्राइम
स्वतंत्र प्रभात

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के सूदन खेड़ा मोहल्ला में दुकान सामान लेने गए युवक की दो लोगों ने जमकर पिटाई कर दी। एसपी के निर्देश पर दोनों आरोपियों के विरुद्ध केस दर्ज कर कार्रवाई की गई। मोहल्ला निवासी विकास ने पुलिस अधीक्षक को दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि गत 5 मार्च को रात करीब 8:30 बजे वह पास की परचून की दुकान में सामान खरीदने गया था। तभी वहां मौजूद कुम्भड़ौरा गांव निवासी पल्लू उर्फ प्रमोद और गांव के ही संजय अकारण उससे मारपीट करने लगे। वह किसी तरह से वहां से भाग तो आरोपी दौड़ा कर उसे दोबारा पीट दिया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले में दो लोगों के विरुद्ध केस दर्ज का जांच की जा रही है।

सैलून आया किशोर लापता, परिजन परेशान

लालगंज (रायबरेली)। नगर के कृष्णा नगर बाईपास मोहल्ला स्थित सैलून आया एक 15 वर्षीय किशोर लापता हो गया। लापता किशोर के चचेरे भाई ने पुलिस को तहरीर दी है। मामले में पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर किशोर की तलाश शुरू कर दी है। सरेनी थाना क्षेत्र के सराय बैरिहा खेड़ा गांव निवासी उमेश ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि गत सात मार्च को उसका चचेरा भाई प्रिंस उर्फ बबलू पुत्र बजरंगी उसकी सैलून की दुकान में आया था। शाम करीब 4:30 बजे से वह कहीं लापता हो गया। काफी खोजबीन की गई लेकिन वह ढूंढे नहीं मिला। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले में गुमशुदगी दर्ज कर किशोर की तलाश की जा रही है।

जब तक अहंकार नहीं टूटता भक्ति माला नहीं पहनाती

बिसवां (सीतापुर)। डेहरा गांव में हो रही 22वीं श्री महालक्ष्मी ज्ञान यज्ञ एवं संगीतमयी राम कथा व मानस सत्संग के छठवें दिन कथा व्यास प्रभा वेदांती द्वारा केवट प्रसंग, पुष्प वाटिका मिलन और धनुष भंग प्रसंग का वर्णन किया गया। कथावाचिका ने भगवान श्री राम, माता सीता और लक्ष्मण के लिए वन की प्रतिकूल परिस्थितियों का भावनात्मक चित्रण किया। केवट ने प्रभु श्री राम के चरणों को धोने के बाद, उन्हें नाव में बिठाकर गंगा पार कराई और उनकी भक्ति को सम्मान दिया। कथावाचिका ने भगवान श्री राम के जनकपुर आगमन, पुष्पवाटिका मिलन और धनुष भंग प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने बताया कि अहंकार रूपी धनुष को तोड़कर भगवान ने यह संकेत दिया कि जब तक अहंकार नहीं टूटता, तब तक भक्ति माला नहीं पहनाती। इस मौके पर यज्ञ आयोजन समिति के अध्यक्ष सर्वेश कुमार वर्मा मुखिया आगमन रामरेश वर्मा सहित गांव तथा क्षेत्र के दर्जनों श्रद्धालु श्रोतागण उपस्थित रहे। यज्ञ की पूर्णाहुति बुधवार 11 मार्च को होगी जिसमें हवन पूजन के अलावा विशाल भण्डारा भी होगा।

गोमती नगर जोन में बिजली विभाग का बड़ा छापा; 12 घरों में पकड़ी गई चोरी, भारी जुर्माना तय

● ......अधिशासी अभियंता के नेतृत्व में चिनहट और अमराई गांव में चला सघन चेकिंग अभियान, 25 किलोवाट का अवैध लोड बरामद

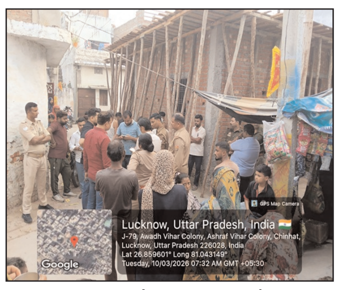

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ: राजधानी लखनऊ के गोमती नगर जोन अंतर्गत आने वाले इलाकों में बिजली चोरी के खिलाफ विभाग ने सख्त रुख अपना लिया है। मंगलवार को विद्युत विभाग की एक विशेष टीम ने चिनहट-लउलाई और अमराई गांव क्षेत्र में औचक छापेमारी कर बड़े स्तर पर चल रही बिजली चोरी का भंडाफोड़ किया। इस सघन चेकिंग अभियान के दौरान कुल 12 उपभोक्ता सीधे तौर पर कटिया मारकर या मीटर बाईपास कर अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते हुए पकड़े गए।

विभागीय आकलन के अनुसार, इन सभी स्थानों पर कुल मिलाकर लगभग 25 किलोवाट का अवैध विद्युत लोड पाया गया, जिससे विभाग को भारी राजस्व की क्षति हो रही थी।

यह पूरी कार्रवाई अधिशासी अभियंता चन्द्रशेखर के सीधे निर्देशन में अंजाम दी गई। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि पकड़े गए सभी दोषियों के विरुद्ध विद्युत अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इसके साथ ही, चोरी की गई बिजली के मूल्यांकन के आधार पर उन पर भारी आर्थिक दंड (शमन शुल्क) भी लगाया जा रहा है। अभियान के दौरान क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति रही। इस टीम में मुख्य रूप से उपखंड अधिकारी राजीव रंजन राय, निरीक्षक विजय सिंह और अवर अभियंता जेई आशुतोष माथुर सहित विभाग के कई अन्य कर्मचारी और सतर्कता दल के सदस्य शामिल रहे।

विद्युत विभाग ने इस कार्रवाई के माध्यम से क्षेत्र के निवासियों को कड़ी चेतावनी जारी की है।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिजली चोरी न केवल एक कानूनन अपराध है, बल्कि इससे स्थानीय ट्रांसफार्मरों पर अनावश्यक लोड बढ़ता है, जिससे ईमानदार उपभोक्ताओं को लो-वोल्टेज और बिजली कटौती की समस्या का सामना करना पड़ता है। विभाग ने अपील की है कि उपभोक्ता अपनी आवश्यकतानुसार वैध कनेक्शन लें और रसीद के साथ ही बिजली का उपयोग करें। विभाग ने साफ संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में यह अभियान और भी तेज किया जाएगा ताकि बिजली आपूर्ति व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी और सुचारु बनाया जा सके।

चाड़ी के युवा राजीव बिश्नोई का 'द लीजेंड्स' सूची में चयन

राजस्थान जोधपुर। जोधपुर जिले के चाडी गांव निवासी युवा क्लिनिकल हिप्नोथेरेपिस्ट राजीव बिश्नोई का इंडिया टुडे ग्रुप की प्रतिष्ठित IMPACT Magazine की 'The Legends' सूची में Clinical Hypnosis & Healing Energy श्रेणी में चयन हुआ है। इस उपलब्धि की खबर मिलते ही क्षेत्र और समाज में खुशी की लहर दौड़ गई। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद जसवंत सिंह बिश्नोई ने राजीव बिश्नोई को बधाई देते हुए कहा कि उनका इस प्रतिष्ठित सूची में चयन पूरे क्षेत्र और समाज के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य, हिप्नोथेरेपी और ऊर्जा उपचार के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के उनके प्रयास सराहनीय हैं। यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं को आगे बढ़ने और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगी। वहीं राजीव बिश्नोई के पारिवारिक सदस्य जसराज बिश्नोई ने बताया कि छोटे से परिवार के लिए यह उपलब्धि किसी बड़े त्योहार से कम नहीं है। परिवार और समाज के लोगों में इस उपलब्धि को लेकर खासा उत्साह और गर्व का माहौल है। समाज के लोगों का कहना है कि राजीव बिश्नोई की यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं को आगे बढ़ने और अपनी पहचान बनाने के लिए प्रेरित करेगी।

दलित विधवा के घर पर पत्थरबाजी कर घर में घुसकर बेटी के साथ मारपीट पर भी दर्ज नहीं हुआ मुकदमा

● पीड़ित महिला ने सहायक पुलिस आयुक्त से लगाई गुहार

स्वतंत्र प्रभात

बन्थरा, लखनऊ। प्रदेश की राजधानी के ग्रामीण क्षेत्र में स्थानीय पुलिस की लापरवाही उजागर हुई, दबंगों विधवा दलित महिला के घर पर पत्थरबाजी करके, घर के अन्दर घुसकर माँ-बेटी से मारपीट करके पुलिस को गुमराह कर दबाब बनाकर मुकदमा नहीं दर्ज होने देने पर पीड़ित विधवा अपनी शिकायत सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर को भेजी है।

हमीरपुर बन्थरा निवासिनी गीता गौतम 02 मार्च को सायंकालीन 9.30 बजे अपनी बेटी व बेटा के संग भोजन कर ही रही थी कि घर के अन्दर अनुज, सचिन, आर्यन, संजय, आयुष, सौरभ व जगदीश ईट/पत्थर फेंकने लगे, पीड़िता की बेटी ने साहस कर दरवाजे की ओर आयी, तभी अनुज घर के अन्दर घुसने की कोशिश कर रहा था,उसे बाहर धकेला जिससे वह गिर गया, तभी अनुज के माता-पिता व बहन लाठी डन्डा व ईटे लेकर घर के अन्दर घुसे और मारना पीटना शुरु किया। जिससे पीड़िता व बेटी गंभीर रुप से चोटिल हो गयीं। दबंग आपराधिक प्रवृत्ति के हैं और पीड़िता से नाजायज सम्बन्ध बनाने के लिए रास्ते में घेरकर दबाव बनाते रहते है, और धमकी देते हैं कि सम्बन्ध बनाओ या गाँव छोड़कर कहीं अन्यत्र भाग जाओ। पीड़िता व उसकी पुत्री व बेटे को उपरोक्तों से जान माल का खतरा मंडरा रहा है। पीड़िता ने जब तत्काल कन्ट्रोल रुम 112 को सूचना दी तब यह घर छोड़कर चले गये। कंट्रोल रुम पुलिस ने थाना बन्थरा में तहरीर देने को कहा,पीड़िता ने जब थाना बन्थरा में घटना की तहरीर दी तो पुलिस ने दबाववश कोई कार्यवाही नहीं करने पर सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर से गुहार लगाई है।

पुलिस सर्विलांस सेल दक्षिण व बिजनौर पुलिस की संयुक्त कार्यवाही में अर्न्तजनपदीय शातिर चोर गिरफ्तार

● चोरी की मोटर साईकिल सहित नकदी व कीमती जेवरात बरामद

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। पुलिस आयुक्त व संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध द्वारा चलाये जा रहे अपराध नियन्त्रण एवं अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही अभियान में अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिणी, सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक बिजनौर द्वारा गठित पुलिस टीम ने थाना बिजनौर में पंजीकृत चोरी के मुकदमों में वाँछित 03 अपराधियों को पी.एम आवास योजना गेट नं0-02 के सामने तिराहा से चोरी हुए माल सहित गिरफ्तार कर हिरासत में लेकर बड़ी कामयाबी हासिल की है।

थाना बिजनौर में संजय कुमार सिहं,शैलेन्द्र कुमार,सन्तोष कुमार पाण्डे एवं राजेश तिवारी द्वारा पंजीकृत कराये गये मुकदमों की छानबीन करने हेतु थाना स्तर से टीमों का गठन किया गया, जिसमें टैक्निकल एवं मैनुअल साक्ष्यों व मुखबिरखास की सूचना के आधार पर हिरासत में लिए गये शातिर चोरों के आपराधिक इतिहास में रावेन्द्र कुमार गौतम उर्फ छोटू ठाकुरगंज पर थाना सरोजनीनगर, बिजनौर, पारा व पीजीआई सहित 13 मुकदमें, सनी रावत उर्फ कालिया हंसखेडा पर थाना सरोजनीनगर, बिजनौर, पारा, तालकटोरा व पीजीआई सहित 19 मुकदमें एवं शिवा चौरसिया उर्फ जॉन सदरौना थाना पारा पर थाना पारा, मलिहाबाद, जानकीपुरम, बिजनौर, कृष्णानगर, सरोजनीनगर, तालकटोरा व पीजीआई सहित 22 मुकदमें पूर्व से पंजीकृत पाये गये। अभियुक्तगणों का व्यवसाय ही चोरी करना रहा है यह लोग ताला बन्द मकानों की रेकी करके घर में घुसकर सामानों की चोरी करते थे। पुलिस पूछताछ में बताया कि पहले आर्केस्ट्रा में कार्य करते थे,तीनो मिलकर पेंटिग व कारपेन्टर का कार्य करने के बहाने घरों की जाँच पड़ताल कर घटना को अंजाम देते थे, इनके पास से सोने की 06 अंगूठी, 04 गले

की चेन, 02 जोड़ी कंगन, 03 नाक की कील, 04 जोड़ी नाक की बाली, 02 अदद माँग टीका, एकजोड़ी कान झुमका, एक ओम पेण्डल, एक जोड़ी कान लरदार, चाँदी की 15 जोड़ी पॉयल,31 चाँदी सिक्के, एक वाउल, एक जोड़ी हाथफूल, 05 जोड़ी बिछिया, एक पान का पत्ता, 02 चाँदी नारियल, 02 जोड़ी हाथकड़ा, 02 जोड़ी पैर कड़ा, एक चांदी की चेन, एक कटोरी,प्लेट व मछ्ली,नकद 47150.00 रुपये सहित घटना में प्रयुक्त की जाने वाली काले रंग की पैशन प्रो मोटर साईकिल यूपी 32 केजेड 3335 भी बरामद की गयी।

जल संरक्षण को लेकर जागरूकता: सोनवा में चैरिटी क्रिकेट मैच, ग्रामीणों में उत्साह

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आज सोनवा गाँव में एक चैरिटी क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम Eveready Industries India Limited के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें स्थानीय युवाओं और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह पूरा अभियान ग्राउंड वाटर बोर्ड के नियमों के अनुसार जल सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में सोनवा में दो तालाब तथा महेंगावा गाँव में दो तालाबों का पुनर्निर्माण (Redevelopment) कराया गया है, जिससे क्षेत्र में जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और भूजल स्तर सुधारने में मदद मिलेगी।

इस मैच में एक टीम सोनवा गाँव की थी तथा दूसरी टीम Eveready Industries India Limited की थी। रोमांचक मुकाबले में सोनवा गाँव की टीम विजेता रही, जिसके

बाद खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री पवन सिंह चौहान जी (एमएलसी) रहे। इस अवसर पर उन्होंने जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जल संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और इसके लिए समाज के हर वर्ग को आगे आकर योगदान देना चाहिए।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत श्री पुनीत सिन्हा, संयुक्त महाप्रबंधक, Eveready Industries India Limited द्वारा किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में ग्राम प्रधान श्री अशोक कुमार गिरी जी का विशेष सहयोग प्राप्त रहा। वहीं पूरे कार्यक्रम की व्यवस्था एवं समन्वय का दायित्व श्री विनोद कुमार तिवारी, ग्राउंड वाटर कंसल्टेंट एवं प्रोप्राइटर - अमन एनवायरो इंजीनियरिंग कंसल्टेंट द्वारा सफलतापूर्वक निभाया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों, युवाओं एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही तथा सभी ने जल संरक्षण के संदेश को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

मिश्रिख-नैमिषारण्य में 'श्रीकृष्ण गीता सार' का मंचन, फिल्मी कलाकारों को देखने उमड़ी भारी भीड़

स्वतंत्र प्रभात

मिश्रिख/सीतापुर। विश्व प्रसिद्ध नैमिषारण्य में चल रहे परिक्रमा होली महोत्सव के अंतर्गत सोमवार रात भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'श्रीकृष्ण गीता सार' का प्रभावशाली मंचन किया गया, जिसे देखने के लिए श्रद्धालुओं और दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

कार्यक्रम में प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता पुनीत इस्सर की टीम ने मंचन प्रस्तुत किया। नाट्य प्रस्तुति में पुनीत इस्सर ने महाभारत के दुर्योधन का किरदार निभाया, जबकि अभिनेता विंदू दारा सिंह ने भीम की भूमिका निभाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकारों के प्रभावशाली अभिनय और दमदार संवादों ने दर्शकों को देर रात तक बांधे रखा। कार्यक्रम में उपस्थित दर्शकों ने कलाकारों के अभिनय की जमकर सराहना की। इस मौके पर सीतापुर के जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर ने भी कलाकारों की प्रस्तुति की प्रशंसा की। इस अवसर पर 84 कोसीय परिक्रमा समिति के अध्यक्ष महंत नन्हकू दास, महंत संतोष दास, महंत सुरेशानंद तथा महंत विवेक भाई शास्त्री ने 84 कोसीय परिक्रमा के पड़ाव प्रभारी अधिकारियों और पत्रकारों को मंच पर पटका पहनाकर, रुद्राक्ष की माला और प्रसाद देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के दौरान वेद व्यास पीठाधीश्वर अनिल कुमार शास्त्री, जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला,विधायक रामकृष्ण भार्गव, विकास हिन्दू सहित कई अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। पूरे कार्यक्रम में धार्मिक और सांस्कृतिक उत्साह का वातावरण देखने को मिला।

दधीचि कुंड पहुंचे महामंडलेश्वर अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती, किया पूजन-अर्चन

स्वतंत्र प्रभात

मिश्रिख, सीतापुर पवित्र तीर्थ नगरी मिश्रिख में चल रही धार्मिक यात्रा के दौरान आज महामंडलेश्वर अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज का आगमन पौराणिक दधीचि कुंड तीर्थ पर हुआ। तीर्थ पुरोहित राहुल शर्मा के अनुरोध पर वे दधीचि कुंड पहुंचे, जहां उनके आगमन की सूचना मिलते ही श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की बड़ी संख्या एकत्र हो गई। महामंडलेश्वर के आगमन को देखते हुए तीर्थ परिसर में पुलिस प्रशासन की ओर से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। जगह-जगह पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई और पूरे क्षेत्र में व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखा गया ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। तीर्थ परिसर में पहुंचने पर तीर्थ पुरोहित राहुल शर्मा ने महामंडलेश्वर का विधिवत स्वागत किया और उन्हें आसन ग्रहण कराया। इसके पश्चात उन्होंने मिश्रिख तीर्थ तथा दधीचि कुंड की पौराणिक और धार्मिक महत्ता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह स्थान महर्षि दधीचि की तपोभूमि के रूप में विश्व प्रसिद्ध है और यहां देश-विदेश से श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं।

इसके बाद महामंडलेश्वर अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए मिश्रिख तीर्थ और दधीचि कुंड की महिमा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि यह भूमि सनातन संस्कृति और ऋषि-मुनियों की तपस्थली रही है, इसलिए इस पवित्र धरा की महिमा पूरे देश में विशेष रूप से मानी जाती है। अपने संबोधन में उन्होंने गौ माता के संरक्षण और संवर्धन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि गौ सेवा सनातन धर्म की मूल परंपरा है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति को गौ माता की रक्षा के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने लोगों से धर्म, संस्कृति और परंपराओं को सुरक्षित रखने का भी

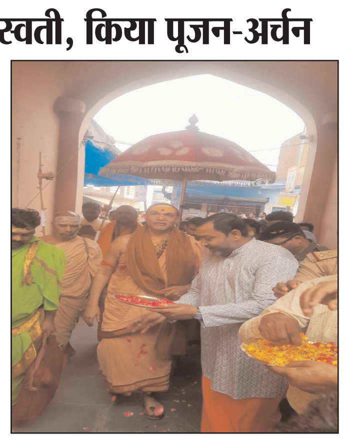

आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में महामंडलेश्वर ने दधीचि कुंड में आचमन किया और मंदिर में पहुंचकर विधिवत दर्शन-पूजन किया। उन्होंने देश, प्रदेश और समाज की सुख-समृद्धि व शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर तीर्थ पुरोहितों, साधु-संतों, श्रद्धालुओं और स्थानीय गणमान्य लोगों की बड़ी संख्या उपस्थित रही।

NMMS परीक्षा में 8 छात्रों की सफलता, किसान नेता शुभम रस्तोगी ने किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात

बिसवां/सीतापुर। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा 2025-26 (National Means-cum-Merit Scholarship Scheme) का परीक्षा परिणाम घोषित हो गया है। तहसील बिसवां के कंपोजिट विद्यालय गजनीपुर, महराज नगर के 8 मेधावी विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त कर विद्यालय, शिक्षकों और अपने माता-पिता का नाम रोशन किया है। सफल छात्रों को केंद्र सरकार द्वारा कक्षा 12 तक 1000 प्रतिमाह की दर से छात्रवृत्ति दी जाएगी। इस प्रकार प्रत्येक छात्र को कुल 48,000 की आर्थिक सहायता उनके निजी बैंक खाते में प्रदान की जाएगी, जिससे उनकी पढ़ाई सुचारू रूप से जारी रह सके।

इस उपलब्धि पर क्षेत्र के किसान नेता शुभम रस्तोगी ने सभी सफल विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि बच्चों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन से यह सफलता मिली है, जो पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है।

इस अवसर पर प्रधानाध्यापक वीरेंद्र कुमार वर्मा, सहायक अध्यापक मालती देवी, दीपक कुमार, विनोद कुमार विश्वकर्मा, सुनील कुमार, अंशु सिंह,

प्रियंका सिंह, अनुदेशक आनंद सिंह, शिक्षामित्र पुष्पा देवी, रीता रानी शुक्ला, एजुकेटर सीमा देवी अस्तित्व रस्तोगी आदि लोग उपस्थित रहे।

ऐहार के बड़ा शिवाला मंदिर में होली मिलन समारोह, फाग गीतों के साथ उड़ा अबीर-गुलाल

● आसपास के कई गांवों की फाग टीमों ने दी प्रस्तुति, प्रेम और भाईचारे का दिया संदेश

स्वतंत्र प्रभात

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के ऐहार गांव स्थित बड़ा शिवाला मंदिर परिसर में सोमवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और फाग गीतों के साथ अबीर-गुलाल उड़ाकर होली का उत्सव मनाया। समारोह का आयोजन युवा नेता आशीष पांडे के नेतृत्व में हुआ। कार्यक्रम में भीरा गोविंदपुर, तेरूखा, लोनारी, मधुकरपुर, बरस, गंगापुर, कठोइया, टिकरान और सोहवल सहित कई ग्राम सभाओं की फाग टीमों ने भाग लेकर पारंपरिक होली गीत और फाग प्रस्तुत किए।

इस दौरान लोगों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और आपसी प्रेम व सौहार्द का संदेश दिया। आयोजकों ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने और लोगों के बीच भाईचारा बढ़ाने का काम करते हैं।

आशीष पांडे ने कहा कि होली प्रेम, उत्साह और भाईचारे का पर्व है और होली मिलन के माध्यम से लोग एक-दूसरे के करीब आते हैं। दिनेश चंद्र मिश्रा ने कहा कि होली का त्योहार आपसी प्रेम, सौहार्द और एकता का प्रतीक है। बबलू सिंह ने कहा कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है और त्योहार हमें नई ऊर्जा देते हैं। वहीं रामजस यादव ने कहा कि होली मिलन से लोगों के बीच प्रेम और उत्साह बढ़ता है। कार्यक्रम का संचालन जितेंद्र मोहन त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर श्याम मनोहर शुक्ला, देवेंद्र मोहन त्रिपाठी, शैलेंद्र अग्निहोत्री, राजेश फौजी, राजकिशोर सिंह बघेल, शैलू सिंह, गोविंद अवस्थी, दिनेश चंद्र मिश्रा और अजय मिश्रा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

ऑटो व मोटरसाइकिल की आमने-सामने टक्कर एक गंभीर रूप से घायल

महराजगंज रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के बछरावां रोड पर बावन बुजुर्ग बल्ला मोड़ के पास ऑटो व दो पहिया की आपस में हुई भिड़ंत में मोटरसाइकिल चालक गंभीर रूप से हुआ घायल राहगीरों की मदद से एंबुलेंस बुलाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महराजगंज पहुंचाया गया। जहां पर उपस्थित चिकित्सक संजय राय ने हालत नाजुक देख प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। बताते चलें कि दोपहर लगभग 2:00 बजे राजू पुत्र निम्बर उम्र 34 वर्ष अपनी दो पहिया मोटरसाइकिल से बावन बुजुर्ग बल्ला गांव किसी कार्य हेतु जा रहे थे, तभी बल्ला मोड़ पर आ रहे ऑटो से आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई और देखते ही देखते राजू मौर्य गंभीर रूप से घायल होकर गिर गए और बेहोश हो गए राहगीरों की मदद से चोटिल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया जहां पर हालत नाजुक देख चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

मलिहाबाद में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की भारी किल्लत, 90 से अधिक गांवों के उपभोक्ता परेशान, गैस एजेंसी पर लगी लंबी कतारें

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ जनपद के मलिहाबाद क्षेत्र में इन दिनों घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की भारी किल्लत देखने को मिल रही है। गैस की कमी के कारण ग्रामीण इलाकों के लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ढेरे मऊ स्थित *भारत ग्रामीण गैस एजेंसी* पर सुबह से ही उपभोक्ताओं की लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं, लेकिन कई लोगों को घंटों इंतजार करने के बाद भी खाली हाथ लौटना पड़ रहा है।

बताया जा रहा है कि ढेरे मऊ में स्थित यह गैस एजेंसी ग्रामीण क्षेत्र के लगभग 15 किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांवों को घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति करती है। इस एजेंसी पर आसपास के करीब 90 से अधिक गांवों के हजारों उपभोक्ता निर्भर हैं। ऐसे में गैस सिलेंडर की सप्लाई प्रभावित होने से बड़ी संख्या में ग्रामीण परिवारों की दैनिक दिनचर्या प्रभावित हो गई है। खाना बनाने जैसी बुनियादी जरूरत भी लोगों के लिए समस्या बनती जा रही है।

मंगलवार को भी गैस एजेंसी के बाहर बड़ी संख्या में उपभोक्ता सुबह से ही सिलेंडर लेने के लिए पहुंच गए। एजेंसी परिसर के बाहर लंबी लाइनें देखने को मिलीं। कई ग्रामीणों ने

बताया कि वे काफी दूर-दराज के गांवों से यहां गैस सिलेंडर लेने आए हैं, लेकिन एजेंसी पर पहुंचने के बाद उन्हें पता चला कि फिलहाल गैस सिलेंडर का स्टॉक खत्म हो चुका है। इस संबंध में ढेरे मऊ स्थित भारत ग्रामीण गैस एजेंसी के मालिक **शेखर कन्नौजिया** ने बताया कि एजेंसी के पास जितने भी गैस सिलेंडर उपलब्ध थे, उनका वितरण उपभोक्ताओं को कर दिया गया है और वर्तमान में एजेंसी का स्टॉक पूरी तरह समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि जैसे ही नई खेप एजेंसी तक पहुंचेगी, उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

उन्होंने यह भी बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रहे **ईरान और इजरायल के बीच तनाव और युद्ध जैसी स्थिति** का असर गैस आपूर्ति व्यवस्था पर भी पड़ा है। सप्लाई चेन प्रभावित होने के कारण कई जगहों पर गैस सिलेंडर की उपलब्धता कम हो गई है। इसी वजह से ग्रामीण गैस एजेंसियों तक भी

समय पर सिलेंडर नहीं पहुंच पा रहे हैं।

हालांकि एजेंसी संचालक का कहना है कि यह स्थिति अस्थायी है और जल्द ही गैस सिलेंडरों की नई खेप आने की उम्मीद है। उन्होंने उपभोक्ताओं से धैर्य बनाए रखने की अपील की है और भरोसा दिलाया है कि सप्लाई सामान्य होते ही सभी उपभोक्ताओं को गैस उपलब्ध करा दी जाएगी। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों के उपभोक्ताओं का कहना है कि गैस सिलेंडर न मिलने से उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई परिवारों को मजबूरी में लकड़ी और पारंपरिक चूल्हों का सहारा लेना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने गैस कंपनी और प्रशासन से जल्द से जल्द गैस आपूर्ति सुचारु करने की मांग की है, ताकि लोगों को राहत मिल सके। फिलहाल सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि कब गैस सिलेंडरों की नई खेप एजेंसी तक पहुंचे और कब ग्रामीणों को इस समस्या से राहत मिले।

संक्षिप्त खबरें

मुस्तफाबाद सरैया बाजार में राम कथा 14 मार्च से

ब्यूरो रिपोर्ट प्रेम शंकर पाण्डेय

कादीपुर सुलतानपुर स्थानीय बाजार मुस्तफाबाद सरैया में भव्य संगीतमयी राम कथा 14 मार्च से शुरू होकर के 18 मार्च तक चलेगी। यह कथा विगत 10 वर्ष से निरंतर चल रही है कथा व्यास बाबा बजरंग दास जी महाराज जौनपुर पंकज शास्त्री जी महाराज अंबेडकर नगर संपूर्णानंद जी महाराज सुल्तानपुर के मुखारविंद से अमृतमयी कथा का श्रवण कराया जाएगा। कथा प्रतिदिन दिन में 3:00 बजे से शुरू होकर के साय काल 6:00 तक चलेगी कथा स्थल रामलीला मैदान मुस्तफाबाद सरैया बाजार जिसकी तैयारी जोर-जोर से चल रही है जिसमें क्षेत्र के अशोक तिवारी काशीराम अग्रहरि राम बहादुर चौहान हरि पांडे राजन सिंह राजेंद्र पांडे राजेश पांडे बबलू विजय अग्रहरी लालजी पांडे दिवाकर पांडे ओम प्रकाश पांडे दिनेश पांडे गंगापुर भुलिया मुस्तफाबाद सरैया गांव के प्रधान मोहम्मद शादाब हिमांशु पांडे सहित अनेक लोग कथा को भव्य रूप देने के लिए लगे हैं। उक्त जानकारी राम कथा के आयोजक मनोज पांडे एडवोकेट ने दी है।

अंतरराष्ट्रीय कविता दिवस से शुरू होगी 'निर्माण काव्य प्रतियोगिता', पोस्टर का विमोचन

दैनिक निर्माण की ओर से अंतरराष्ट्रीय कविता दिवस 21 मार्च से 'निर्माण काव्य प्रतियोगिता' का शुभारंभ किया जाएगा। प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन कर इसकी जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से साझा की गई।

जोधपुर। नई साहित्यिक प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से दैनिक निर्माण द्वारा अंतरराष्ट्रीय कविता दिवस 21 मार्च से 'निर्माण काव्य प्रतियोगिता' का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन करते हुए इसकी जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से साझा की गई। दैनिक निर्माण के मुख्य संपादक जसराज विश्नोई ने बताया कि यह प्रतियोगिता विशेष रूप से उभरते कवियों और युवा रचनाकारों के लिए एक सशक्त मंच सिद्ध होगी। इसके माध्यम से प्रतिभागियों को अपनी रचनात्मक क्षमता को सामने लाने और अपनी काव्य यात्रा को नई दिशा देने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि दैनिक निर्माण हिंदी साहित्य के प्रचार-प्रसार और नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी क्रम में जल्द ही एक नया मोबाइल ऐप भी लॉन्च किया जाएगा, जो ई-बुक, पत्रिका और साहित्यिक प्रकाशन से जुड़ा होगा। मुख्य संपादक ने विश्वास जताया कि इस पहल से हिंदी साहित्य को नई ऊर्जा मिलेगी और देशभर के रचनाकारों को अपनी रचनाएं साझा करने के लिए एक सशक्त मंच उपलब्ध होगा।

इंटरलॉकिंग सड़क को लेकर विवाद, वृद्धा की इलाज के दौरान मौत

स्वतंत्र प्रभात ब्रेकिंग न्यूज़

गोपीगंज। थाना ज्ञानपुर क्षेत्र के ग्राम इब्राहिमपुर में इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण को लेकर हुए विवाद में एक वृद्धा की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति को देखते हुए मौके पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार ग्राम इब्राहिमपुर में ग्राम प्रधान द्वारा गांव की सड़क पर इंटरलॉकिंग का निर्माण कराया जा रहा था। इसी रास्ते में मृतका चंद्रावती (65) पत्नी जितनारायण यादव का वर्षों से बना पक्का दालान होने के कारण उसे हटाने को लेकर पिछले एक सप्ताह से प्रधानपति और मृतका के परिवार के बीच विवाद चल रहा था।

बताया जाता है कि सोमवार रात फिर से दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। परिजनों का आरोप है कि प्रधानपति समेत कुछ लोग उनके घर पहुंचकर विवाद करने लगे। इसी दौरान धक्का-मुक्की में चंद्रावती गिरकर बेहोश हो गई। परिजन उन्हें तत्काल जिला अस्पताल महाराजा चेतसिंह ले गए, जहां हालत गंभीर होने पर ट्रामा सेंटर औराई रेफर किया गया। वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने विपक्षियों पर हत्या का आरोप लगाते हुए थाना ज्ञानपुर में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई में जुट गई है।

उत्तर प्रदेश में उचित दर की दुकानों के युक्तिकरण की तैयारी

● कम राशन कार्ड वाली दुकानों के विलय या स्थानांतरण के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ, उत्तर प्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को अधिक प्रभावी और आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाने के लिए खाद्य एवं रसद विभाग ने बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। विभाग द्वारा जारी एक महत्वपूर्ण आदेश में राज्य की उन उचित दर की दुकानों (फेयर प्राइस शॉप्स - FPS) के युक्तिकरण (रैशनलाइजेशन) की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं, जिनसे 500 से कम राशन कार्ड जुड़े हुए हैं। यह निर्देश खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग, उपभोक्ता मामले मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र के संदर्भ में जारी किया गया है। आदेश के अनुसार सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत उपलब्ध आंकड़ों के विश्लेषण से यह पाया गया है कि प्रदेश में कई ऐसी उचित दर की दुकानें संचालित हो रही हैं, जिनसे राशन कार्डधारकों की संख्या 500 से कम है। ऐसी दुकानों का संचालन आर्थिक रूप से लाभकारी नहीं माना जा रहा है और इससे दुकानों की स्थिरता (सस्टेनेबिलिटी) पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

डीएफपीडी की बैठक में लिया गया निर्णय

खाद्य सचिवों के साथ आयोजित डीएफपीडी (Department of Food & Public Distribution) की उच्च स्तरीय बैठक में इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जनसंख्या घनत्व, भौगोलिक परिस्थितियों तथा संचालन की व्यवहारिकता को ध्यान में रखते हुए उचित दर की दुकानों के युक्तिकरण की प्रक्रिया शुरू करने की सलाह दी गई। इसके तहत ऐसी दुकानों का विलय, स्थानांतरण या पुनर्गठन किया जा सकता है, ताकि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से लाभार्थियों को खाद्यान्न की निर्बाध और नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके और दुकानों की आर्थिक व्यवहार्यता भी बनी रहे।

उत्तर प्रदेश में हजारों दुकानें प्रभावित हो सकती हैं

खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा प्रदेश में संचालित उचित दर की दुकानों की समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि बड़ी संख्या में दुकानों से राशन कार्डधारकों की संख्या निर्धारित सीमा से कम है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार–

शहरी क्षेत्र में ऐसी दुकानों की संख्या: 5137

ग्रामीण क्षेत्र में ऐसी दुकानों की संख्या: 47081

कुल मिलाकर प्रदेश में 52218 उचित दर की दुकानें ऐसी हैं, जिनसे 500 से कम राशन कार्ड जुड़े हुए हैं। इन दुकानों के संबंध में जिलाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे स्थानीय परिस्थितियों का आकलन करते हुए आवश्यकतानुसार दुकानों का विलय, स्थानांतरण या पुनर्गठन करें।

जिलाधिकारियों को दिए गए निर्देश

खाद्य एवं रसद विभाग के आयुक्त रणवीर प्रसाद द्वारा जारी आदेश में प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे पीडीएस की वितरण व्यवस्था को अधिक कुशल और आर्थिक रूप से स्थिर बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। इसके अंतर्गत उचित दर की दुकानों के युक्तिकरण की कार्रवाई करते हुए उसकी रिपोर्ट समयबद्ध रूप से शासन को उपलब्ध कराई जाए, ताकि केंद्र सरकार को भी इसकी जानकारी दी जा सके।

लाभार्थियों पर असर नहीं पड़ने का दावा

विभागीय सूत्रों के अनुसार इस प्रक्रिया का उद्देश्य राशन कार्डधारकों की संख्या को संतुलित करना और दुकानों के संचालन को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाना है। अधिकारियों का कहना है कि युक्तिकरण के दौरान यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी लाभार्थी को खाद्यान्न प्राप्त करने में कठिनाई न हो और उन्हें निर्धारित समय पर राशन मिलता रहे।

पीडीएस प्रणाली को मजबूत करने की पहल

विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक मजबूत और व्यवस्थित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। उचित दर की दुकानों के युक्तिकरण से न केवल वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि दुकानदारों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार हो सकता है।

कोटेदार कर रहे हैं विरोध

ऑल इंडियन फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन ने विरोध जताते हुए कहा कि सभी उचित दर विक्रेता (कोटेदार) लोग निश्चिंत रहें दुकानदारों के हटाने के शासनादेश का संगठन पूरा विरोध करेगा कड़ा से कड़ा विरोध अधिकारियों के समक्ष प्रकट करेगा इस प्रकरण में नेताओं से विधायकों से मंत्रियों से भी मिलेगा और जरूरत पड़ने पर हाई कोर्ट की भी शरण लिया जाएगा कोटेदारों के हित में ऑल इंडियन फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन सदैव खड़ा रहा था खड़ा रहा है और खड़ा रहेगा।

जिलाकार्यालय मीरजापुर में अंतर्राष्ट्रीय महिला सम्मेलन का आयोजन

● भाजपा महिला मोर्चा ने महिला सशक्तिकरण पर दिया जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की ज़िला अध्यक्ष आभा सिंह पटेल की अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय महिला सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मझवा विधायक आदरणीय श्रीमती सूचीस्मिता मौर्य जी ने अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी निधि पटेल व अन्य खिलाड़ियों को सम्मानित किया एवं महिला सशक्तिकरण, सामाजिक भागीदारी तथा आत्मनिर्भरता,व महिलाओं को समाज और राजनीति में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया तथा महिला सशक्तिकरण के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। सम्मेलन में जिला पंचायत अध्यक्ष आदरणीय राजू कनौजिया जी ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और समाज तथा राष्ट्र के विकास में उनका योगदान निरंतर बढ़ रहा है। भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य आयुषी श्रीमाली जी ने महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और नेतृत्व के क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन महिला मोर्चा की महामंत्री सुनीता शर्मा जी ने किया। कार्यक्रम की संयोजक श्रीमती गीता यादव (महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष) तथा सहसंयोजक जिला मंत्री संध्या पटेल जी जिला महामंत्री बिना सिंह, जिला उपाध्यक्ष शिव कुमारी राय जी, प्रेमलता दुबे जी , जिला मंत्री प्रेमवती बिंद जी, कार्यकारिणी सदस्य अनीता जी, मदीना बेगम, मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा अनीता प्रजापति, दीपा उमर, रंजना मौर्य, सविता जी सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। सम्मेलन का उद्देश्य महिलाओं को जागरूक करना, उनके अधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करना रहा।

आसाम माला परियोजना में मुआवज़े को लेकर स्थानीय लोगों की प्रेस कॉन्फ्रेंस: परियोजना निदेशक का ध्यान आकर्षित

● मुआवज़े में देरी पर कानूनी कदम उठाने की चेतावनी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि असम के श्रीभूमि जिले के बदरपुर सर्कल के अंतर्गत मखइ भांगा, महाकाल पार्ट-II और बाशाइल क्षेत्र के निवासियों ने 10 मार्च (मंगलवार) को आसाम माला परियोजना के तहत अधिग्रहित जमीन और भवनों के मुआवज़े को शीघ्र प्रदान करने की मांग को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होंने पहले ही असम सरकार के पब्लिक वर्क्स रोड डिपार्टमेंट (PWRD) के परियोजना निदेशक और मुख्य अभियंता (EAP) को लिखित आवेदन सौंपा था। आवेदन में कहा गया कि LAP-I और LAP-II के तहत कुछ प्रभावित लोगों को मुआवज़ा मिला है, लेकिन कई वास्तविक प्रभावित परिवार अब भी उचित मुआवज़े से वंचित हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि दिसंबर 2025 में LAP-I के आधार पर संयुक्त सत्यापन किया गया था और अधिकारियों ने आश्वासन दिया था कि क्षतिग्रस्त भवनों के अनुसार उचित मुआवज़ा प्रदान किया जाएगा। इसके बावजूद अब तक राशि वितरित नहीं हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि कई लोगों ने अपने भवन स्वयं तोड़ दिए और PWRD के पक्ष में पंजीकृत दस्तावेज़ निष्पादित कर दिए, फिर भी वितरण में देरी हो रही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी आरोप लगाया गया कि कुछ लोग अवैध लाभ लेने का प्रयास कर रहे हैं, जिसे स्थानीय लोगों ने सरकारी शक्ति का दुरुपयोग बताया। स्थानीय निवासियों ने परियोजना निदेशक और संबंधित अधिकारियों से शीघ्र हस्तक्षेप कर मुआवज़ा देने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे कानूनी कदम उठाने के लिए बाध्य होंगे।

'दोनों बेटियों ने अपनी प्रतिभा और परिश्रम से नई पहचान स्थापित की- रेणुका यादव

● नारियों के अभिनंदन समारोह में वक्ताओं ने बांधी शमां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिधौली (सीतापुर)। महिलाएं विकास का आधार होती है। वास्तव में नारियां रत्न होती है। यह बात नारी रत्न विशेष अभिनंदन समारोह में शिया पी जी कॉलेज लखनऊ के प्रोफेसर सुधाकर वर्मा ने स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्थान सिधौली में लोगों को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने आगे कहा कि बताते चलें कि अपने संबोधन में कहा कि जनपद सीतापुर की प्रतिभाशाली महिलाओं का राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित होना पूरे क्षेत्र के लिए गौरव और प्रेरणा का विषय है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि इन दोनों सम्मानित विभूतियों को शीघ्र ही बिसवां में आयोजित एक विशेष समारोह में पुनः सम्मानित किया जाएगा। बताते चलें कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के पावन अवसर पर देश की राजधानी नई दिल्ली में जनपद सीतापुर की दो प्रतिभाशाली महिलाओं को 'नारी रत्न सम्मान' से अलंकृत किए जाने की उपलब्धि के उपलक्ष्य में सिधौली स्थित स्वामी विवेकानन्द शिक्षण संस्थान में पहल फाउंडेशन, सीतापुर के तत्वावधान में एक गरिमामय विशेष अभिनन्दन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाज, शिक्षा और साहित्य जगत से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को अत्यंत प्रेरणादायी बना दिया।

समारोह में सम्मानित विभूतियों – कवयित्री पिंकी अरविन्द प्रजापति एवं ग्राम पंचायत अधिकारी नीतू वर्मा – को मंचासीन अतिथियों द्वारा पुष्पमालाओं, अंगवस्त्र तथा हार्दिक शुभकामनाओं के साथ सम्मानित किया गया। दोनों महिलाओं की उपलब्धियों को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए उपस्थित जनसमुदाय ने उनका उत्साहवर्धन किया। समारोह की अध्यक्षता शिक्षाविद् आर. डी. वर्मा (गुरुजी) ने की, जबकि एपीओ अर्चना सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस अवसर पर आदर्श नगर पंचायत सिधौली के अध्यक्ष गंगाराम राजपूत भी विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए और उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि आज महिलाएँ समाज के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और परिश्रम से नई पहचान स्थापित कर रही हैं। उन्होंने दोनों सम्मानित महिलाओं को बधाई देते हुए कहा कि उनकी

उपलब्धियाँ क्षेत्र की अन्य महिलाओं और युवतियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इस अवसर पर रेणुका यादव, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत सिधौली ने भी दोनों महिलाओं को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आज की नारी समाज के हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और परिश्रम से नई ऊँचाइयाँ प्राप्त कर रही है, जो आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सहायक विकास अधिकारी पंचायत दिनेश यादव ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल एक विचार नहीं, बल्कि सामाजिक प्रगति की अनिवार्य शर्त है। उन्होंने कहा कि नारी की उन्नति ही समाज के समग्र विकास की आधारशिला है। सांस्कृतिक एवं साहित्यिक वातावरण को समृद्ध करते हुए इंटर कॉलेज के प्रवक्ता विनोद रावत तथा सुरेन्द्र कांत मौर्य ने प्रभावशाली काव्य पाठ प्रस्तुत किया, जिसे श्रोताओं ने सराहना के साथ सुना। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. देवेंद्र कश्यप 'निडर', डॉ. चन्द्रशेखर प्रजापति एवं सुरेन्द्र मौर्य द्वारा किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रख्यात साहित्यकार डॉ. देवेंद्र कश्यप 'निडर' ने किया, जबकि आयोजन की परिकल्पना पहल फाउंडेशन, सीतापुर द्वारा की गई थी। कार्यक्रम के आयोजक डॉ. चन्द्रशेखर प्रजापति रहे। इस अवसर पर बाल विकास विद्या मंदिर महमूदाबाद के प्रबंधक रमेश कुमार प्रजापति, खुशीराम पासी, दिलीप मौर्य, गांधीनगर मोहल्ले की सभासद श्रीमती रेनू भार्गव, आशा त्रिवेदी सहित अनेक शिक्षाविद्, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह समारोह न केवल नारी सम्मान का प्रतीक बना, बल्कि समाज में महिलाओं की उपलब्धियों के प्रति सम्मान और प्रेरणा का सशक्त संदेश भी प्रदान कर गया।

डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम की त्रैमासिक समीक्षा बैठक

● अग्रिम तिमाही की बनाई गई कार्य योजना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिर्जापुर। मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में मंगलवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार में 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम की त्रैमासिक समीक्षा बैठक हुई द्व पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) एवं केनव्यू के सहयोग से आयोजित बैठक की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सी एल वर्मा ने की द्व उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शून्य से पांच साल तक के बच्चों की डायरिया के कारण होने वाली मृत्यु दर को शून्य करना और दस्त प्रबंधन को बढ़ावा देना है। इस मौके पर सीएमओ ने कहा कि डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम के अन्तर्गत आशा कार्यकर्ताओं, आशा संगिनी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पीएसआई इंडिया के सहयोग से प्रशिक्षित किया गया हैद्व इसके साथ ही डायरिया रोको अभियान (स्टॉप डायरिया कैम्पेन) के दौरान डायरिया से बचाव और प्रबन्धन के बारे में प्रचार-

प्रसार करने के बारे में कार्य योजना तैयार किया गया द्व जनपद के विभिन्न स्थानों पर दीवार लेखन कराया गया है द्व प्रचार-प्रसार के तहत ही स्कूल गतिविधियों में पोस्टर प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक एवं प्रश्नोत्तरी के माध्यम से बच्चों में डायरिया से बचाव के सन्देश पहुंचाए गए हैं।

समीक्षा बैठक में पीएसआई इंडिया के जिला प्रबंधक विष्णु प्रकाश मिश्रा ने अब तक की गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया द्व हेल्थ मैनेजमेंट इन्फार्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) की रिपोर्ट की भी समीक्षा की गयी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जिला कार्यक्रम प्रबन्धक डीपीएम अजय सिंह ने रिपोर्टिंग में सुधार के बारे में चर्चा की। डीसीपीएम ओंकार सिंह ने बेहतर कार्य करने हेतु प्रेरित किया। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ वी के चौधरी ने डायरिया कार्यक्रम के तहत की जाने वाली गतिविधियों की वजह से होने वाले सुधार के बारे मे चर्चा की साथ ही यूपीएचसी पर बनाए गए ओआरएस एवं ज़िंक कार्नर को लेकर चर्चा की।

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी नोडल अधिकारी डॉ वी के चौधरी ने कहा कि डायरिया की पहचान समय पर होना और आवश्यक उपचार मुहैया कराना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में बेसिक शिक्षा विभाग के शाहिद अली खान, डिस्ट्रिक्ट एफपीएलएमआईएस मैनेजर, प्रभारी जिला विद्यालय निरीक्षक विजय कुमार, एमओआईसी, जिला महिला अस्पताल के प्रतिनिधि डॉ पूजा सलूजा, बीसीपीएम, ए आर ओ, यूनिसेफ, डब्ल्यू एच ओ, यूनिसेफ, यू एन डी पी, जे एस आई के प्रतिनिधि एवं अर्चना मिश्रा उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

हलिया, मीरजापुर। शासन के मनसा अनरूप महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत मंगलवार को क्षेत्र के विभिन्न गांवों व सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। इस दौरान पुलिस टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों तथा सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। थाना अध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में उप निरक्षक रामशंकर हेड कांस्टेबल ,अभिषेक चौबे व महिला कांस्टेबल पूजा चौहान ने क्षेत्र के हथेडा, अदवा में पहुंचकर महिलाओं और छात्राओं को जागरूक किया।टीम ने महिलाओं को बताया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न या हिंसा की स्थिति में तुरंत पुलिस हेल्पलाइन की सहायता लें, जिससे समय रहते कार्रवाई की जा सके जागरूकता अभियान के दौरान महिलाओं को 1090, 112, 181 जैसे महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई और इनका उपयोग कैसे करना है इसके बारे में भी बताया गया।पुलिस टीम ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का

मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान करना और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना है।कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं और बालिकाओं से अपील की गई कि वे किसी भी समस्या को छुपाने के बजाय तुरंत पुलिस को सूचना दें ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

थाना ब्यौहारी पुलिस द्वारा लूट की घटना का 72 घंटे के अंदर खुलासा, तीन

● आरोपी गिरफ्तार, लूटा गया सामान बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल दिनांक 05.03.2026 को फरियादी आकाश कुमार गुप्ता निवासी मझौली जिला सीधी द्वारा थाना ब्यौहारी में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि शहडोल रोड पर वन विहारी ढाबा के आगे आरोपीगण द्वारा उसे रोककर मारपीट की गई तथा उसका मोबाइल फोन, नगदी एवं घड़ी लूट ली गई। रिपोर्ट पर थाना ब्यौहारी में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना के दौरान पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए 72 घंटे के भीतर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन, नगदी एवं घड़ी बरामद की गई।

गिरफ्तार आरोपी

- नवीन सिंह पिता स्व. राजेन्द्र सिंह, उम्र 25 वर्ष, निवासी ग्राम मुदरिया थाना ब्यौहारी

हिमवन्त मिश्रा की सराहनीय भूमिका रही।

- सागर सिंह पिता सुनील सिंह, उम्र 24 वर्ष, निवासी ग्राम मुदरिया थाना ब्यौहारी
- सूर्यांश सिंह बघेल पिता मनोज सिंह बघेल, उम्र 19 वर्ष, निवासी ग्राम सूखा थाना ब्यौहारी सराहनीय भूमिका- उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी ब्यौहारी निरीक्षक जियाउल के नेतृत्व में उप निरीक्षक बीरेन्द्र तिवारी, प्रधान आरक्षक नरेन्द्र उपाध्याय, हीरा सिंह, अमर सिंह, आरक्षक पंकज मेहरा, महिला आरक्षक माधुरी साहू तथा सायबर सेल शहडोल के आरक्षक सत्यप्रकाश मिश्रा एवं हिमवन्त मिश्रा की सराहनीय भूमिका रही।

मतेथू गांव में जर्जर विद्युत पोल से हादसे का खतरा, ग्रामीणों ने की कार्रवाई की मांग

सुरियावां। पाली विद्युत उपकेंद्र से जुड़े मतेथू गांव में जर्जर हो चुका विद्युत पोल और मकान के सामने से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन ग्रामीणों के लिए खतरा बन गई है। पंडित विनोद कुमार दुबे के घर के सामने लगा लोहे का पोल काफी पुराना और क्षतिग्रस्त हो चुका है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि इसी रास्ते से बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों का लगातार आवागमन रहता है। बरसात या तेज हवा में पोल गिरने या तार टूटने का खतरा बना रहता है, जिससे जनहानि की आशंका है। बताया गया कि जर्जर पोल हटाने और हाईटेंशन लाइन को अन्यत्र स्थानांतरित करने के लिए कई बार बिजली विभाग से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। समस्या को लेकर पंडित विनोद कुमार दुबे ने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रदेश के ऊर्जा मंत्री और बिजली विभाग के अधिकारियों से शिकायत कर जर्जर पोल को तत्काल हटाने तथा हाईटेंशन लाइन को सुरक्षित स्थान से गुजरने की मांग की है। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की अपील की है।

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय में विज्ञान, कला और सामाजिक विज्ञान की लगी भव्य प्रदर्शनी

मीरजापुर। मंगलवार, 10 मार्च को जवाहर नवोदय विद्यालय पटेहरा कलां में विज्ञान कला और सामाजिक विज्ञान का भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला कॉपरेटिव के चेयरमैन डा. जगदीश सिंह पटेल और प्राचार्य राम सिंह ने मां सरस्वती के प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन करके किया। यह कार्यक्रम ए. के. त्रिपाठी, एस. सी. सिंह, शिल्पा सिंह, जे. एन. सिंह, श्रीप्रकाश, अरुण भट्ट, राजेश, एम. के. बरनवाल, स्वेता आनंद, संजय यादव, शालिनी, अनामिका सिंह, नित्याशा सिंह के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा 6 से 12वीं तक के बच्चों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में जे एस जी एस विद्यालय मड़िहान, कम्पोजिट विद्यालय ककरद एवं कंपोजिट विद्यालय करौंदा के बच्चे भी अवलोकन के लिए उपस्थित रहे। इन बच्चों ने प्रदर्शनी के अवलोकन के बाद अपने अंदर क्रियात्मक सोच के विकसित करेंगे।

कार्यक्रम में लाइट सेंसर, स्मार्ट डस्टबिन मॉनिटरिंग सिस्टम, कचरा प्रबंधन कैसे करे, कार्बन प्यूरीफायर मॉडल, एसिड रेन के दुष्प्रभाव, कार्बन इमर्सन, कठपुतली, संसद भवन आदि मॉडलों का प्रदर्शन किया गया। सभी छात्रों ने अपने मॉडल पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि यह भविष्य में होने वाले विकरण, भूमंडली कारण के दुष्प्रभाव, अम्ल वर्षा के खतरे से कैसे बचा जाए इन सब पर छात्रों ने विस्तार से बताया। कार्यक्रम के समापन के बाद दूसरे विद्यालय से आये छात्रों को बबीता दुबे, अनामिका भारतीय के नेतृत्व में जलपान कराकर उनके विद्यालय भेजा गया। कार्यक्रम में राम लखन मौर्य, कमलेश, डॉ विपिन सिंह, नईम मुल्लाह, स्वेक्षा, अनुपम, वेद प्रकाश मिश्र, उमेश, राकेश, पूजा, महिमा, नीरज, श्याम, अमर, सौरव, राजेश ललिता, प्रेम, विभा, प्रांशु आदि शिक्षक एवं स्टाफ उपस्थित रहा।